दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 215
मुरादाबाद
(Thursday)
26 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

'करुणा ही चिकित्सा सेवा का मूल आधार', होम्योपैथी संस्थान से राष्ट्रपति ने डॉक्टरों को दिया संदेश



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के सबसे पुराने होम्योपैथी संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि तकनीक भले ही स्वास्थ्य सेवा को बदल दे, लेकिन चिकित्सा का आधार करुणा होनी चाहिए। डॉक्टरों को मरीजों की सुरक्षा, गरिमा और कल्याण को सर्वोपरि रखना चाहिए।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के सबसे पुराने होम्योपैथी संस्थान के छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भले ही तकनीक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बदल दे, लेकिन चिकित्सा सेवा प्रदान करने का आधार हमेशा करुणा ही होनी चाहिए। डॉ. अभिन्न चंद्र होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में होम्योपैथी पर आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में शामिल होते हुए, उन्होंने जोर देकर कहा कि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा की हर प्रणाली को उच्च स्तरीय वैज्ञानिक जांच से गुजरना चाहिए। इस कार्यक्रम में होम्योपैथिक कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के अलावा, ओडिशा के राज्यपाल ब्रज मोहन राम, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और पूरे भारत से आए अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए।मुर्मू ने कहा, %हमें यह याद रखना चाहिए कि तकनीक भले ही स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बदल दे, लेकिन करुणा ही इसका मूल आधार बनी रहनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा से जुड़ा कोई भी निर्णय लेते समय मरीजों की सुरक्षा, गरिमा और कल्याण को सर्वोपरि रखना चाहिए, क्योंकि इसका मुख्य उद्देश्य मरीज के कष्टों को कम करना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। उन्होंने कहा, मरीज का इलाज करते समय डॉक्टरों को यह समझना चाहिए कि उनके सामने एक ऐसा इंसान है, जिसकी अपनी उम्मीदें, डर और गरिमा है। मुर्मू ने यह भी कहा कि चिकित्सा पेशे के लिए केवल शैक्षणिक योग्यता ही काफी नहीं है। इसके लिए बौद्धिक अनुशासन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नैतिक ईमानदारी और सहानुभूति की भी आवश्यकता होती है।होम्योपैथी पेशेवरों के लिए कुछ मार्गदर्शक सिद्धांत सुझाते हुए, राष्ट्रपति ने उनसे सवाल पूछने की आदत डालने और हमेशा सीखते रहने का आग्रह किया। मुर्मू ने कहा, किसी संस्थान को केवल उसके बुनियादी ढांचे या उसके कितने साल पुराने होने से नहीं याद रखा जाता, बल्कि इस बात से याद रखा जाता है कि वह कैसे पेशेवर तैयार करता है, कैसा ज्ञान देता है और समाज को क्या सेवा प्रदान करता है। होम्योपैथिक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में इस संस्थान के योगदान का जिक्र करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि एक बेहतरीन मेडिकल कॉलेज के रूप में इसकी प्रतिष्ठा, यहां के शिक्षकों, डॉक्टरों, प्रशासकों और छात्रों के समर्पण को दर्शाती है। देश ने चिकित्सा की इस प्रणाली के विकास और विस्तार के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचा तैयार किया है। होम्योपैथी, भारत की विविध स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

केंद्र पर बरसे खरगेः एनीमिया-कुपोषण के आंकड़ों पर जवाबदेही मांगी, पोषण बजट-खर्च को लेकर भी सरकार से पूछे सवाल



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एनीमिया और कुपोषण के आंकड़ों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आईसीएमआर-संपदा रिपोर्ट का हवाला देते हुए महिलाओं और बच्चों की स्थिति पर सवाल उठाए। साथ ही पोषण योजनाओं के बजट में कमी और फंड के इस्तेमाल में अंतर को लेकर 12 साल बाद भी जवाबदेही मांगी। कांग्रेस ने बुधवार को देश में कुपोषण और एनीमिया की स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सवाल किया कि जब देश की लाखों महिलाएं और बच्चे कुपोषण से जूझ रहे हैं, तो भारत अपने जनसांख्यिकीय लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) का लाभ कैसे उठा सकता है? उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 साल पूरे होने के बाद भी जवाबदेही तय नहीं होने पर सवाल उठाए।अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा कि मोदी सरकार की अपनी आईसीएमआर-संपदा रिपोर्ट के मुताबिक, प्रजनन आयु वर्ग की 55.9 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। किशोरियों और किशोरों में से लगभग दो-तिहाई में विटामिन बी12 की कमी है। एक से चार साल की उम्र के 42 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। गुजरात में प्रजनन आयु वर्ग की 66 प्रतिशत महिलाएं और छोटे बच्चों में से 57 प्रतिशत एनीमिया से प्रभावित हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार का एनीमिया के हल्के मामलों पर जोर देने से इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि प्रजनन आयु वर्ग की लगभग 30 प्रतिशत महिलाएं मध्यम या गंभीर एनीमिया से पीड़ित हैं। खरगे के मुताबिक, नवीनतम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6) से भी पता चलता है कि लगभग एक-तिहाई बच्चे कम वजन के हैं और हर पांच में से एक बच्चा गंभीर कुपोषण से प्रभावित है।पोषण योजनाओं के बजट और खर्च पर भी उठाए सवाल खरगे ने सरकार के वित्तीय रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि सक्षम आंगनवाड़ी, पोषण 2.0 और इनसे पहले की योजनाओं के तहत छह वित्तीय वर्षों में 1.13 लाख करोड़ रुपये से अधिक जारी किए गए। वहीं, केवल चार वर्षों में पोषण 2.0 के तहत जारी और इस्तेमाल की गई राशि के बीच 2,500 करोड़ रुपये से अधिक का अंतर रहा। उन्होंने कहा कि मूल पोषण अभियान के तहत जारी की गई लगभग 44 प्रतिशत राशि का इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय बजट में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का हिस्सा भी लगभग आधा रह गया है। यह 2015-16 में 0.96 प्रतिशत था, जो 2025-26 में घटकर 0.50 प्रतिशत रह गया। खरगे ने सवाल किया कि मोदी सरकार के 12 साल, कई पोषण योजनाओं, फोर्टिफाइड चावल और आयरन सप्लीमेंट कार्यक्रमों के बावजूद जवाबदेही कहां है?

संक्षिप्त समाचार

संवैधानिक सत्ता का सबसे बड़ा अपमानः दीपम विवाद पर भाजपा का विपक्ष पर हमला, कहा- ये हिंदू धर्म के खिलाफ साजिश

भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने तमिलनाडु सरकार पर तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी के दीपथून स्तंभ पर कार्तिगई दीपम न जलाने और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन को घेरते हुए इसे सनातन धर्म के खिलाफ साजिश बताया। इस मुद्दे पर तमिलनाडु में कई जगह प्रदर्शन भी हुए।भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को इंडिया गठबंधन और तमिलनाडु सरकार पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने मदुरै की तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित विवादित दीपथून पत्थर के खंभे पर कार्तिगई दीपम के तहत एक बार प्रतीकात्मक रूप से दीपक जलाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया। सुधांशु त्रिवेदी ने क्या कहा? एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए त्रिवेदी ने कहा, आज मैं आपका ध्यान उस बात की ओर खींचना चाहता हूं, जिसे हम इंडिया गठबंधन और तमिलनाडु सरकार की ओर से किया गया सबसे बड़ा संवैधानिक उल्लंघन मानते हैं। कल कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर, तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का पालन नहीं किया, जिसमें कुछ शर्तों के साथ केवल एक दिन के लिए कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति दी गई थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को न तो माना और न ही लागू किया।नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि वे हमेशा संविधान की किताब तो दिखाते हैं

यूपी चुनाव 2027ः राधे-राधे तो शुरुआत है, सपा के लिए अब राम नाम सत्य का समय, गठबंधन पर योगी का तीखा हमला

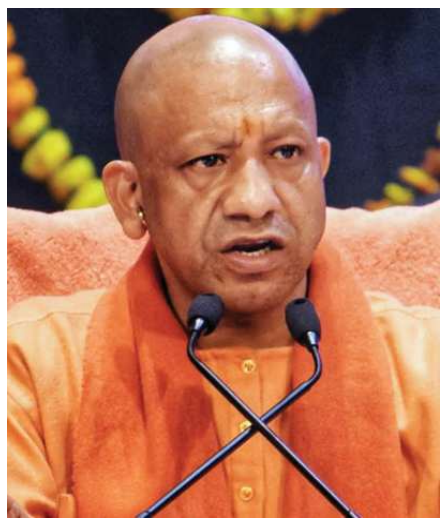

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से पहले सपा और कांग्रेस गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे पर सवाल उठाए और पीडीए को %परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी% करार दिया। साथ ही प्रदेश में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव, ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण, युवाओं को रोजगार और सख्त कानून-व्यवस्था जैसी अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धियां भी गिनाईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर एक साथ तीखा हमला बोलते हुए 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल गरमा दिया है। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे पर सवाल उठाते हुए कहा कि दो नावों की सवारी करने वाले डूबते हैं। अखिलेश को अयोध्या जाने से पहले रामभक्तों और हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि राधे-राधे तो शुरुआत है, सपा के लिए अब राम नाम सत्य का समय आ रहा है। मथुरा में राधे-राधे, अयोध्या में जय श्रीराम और काशी में हर-हर महादेव कहना आस्था के अनुरूप है, जबकि राम नाम सत्य विदाई के समय कहा जाता है। मुख्यमंत्री बुधवार को एक टीवी मीडिया समूह को दिए साक्षात्कार में बोल रहे थे।योगी ने सपा की राजनीति को परिवार तक सीमित बताते हुए उसके पीडीए की नई व्याख्या की। उन्होंने कहा कि पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है। सपा की राजनीति परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जबकि भाजपा का मतदाता हर वह राष्ट्रवादी नागरिक है, जो संविधान और देश की विरासत का सम्मान करता है। उनकी किसी से व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है, लेकिन देश और समाज के सामने चुनौती आने पर उसका सामना करना संन्यासी का दायित्व है। सपा-कांग्रेस में तालमेल नहीं, चुनाव से पहले ही गठबंधन विफल- मुख्यमंत्री ने सपा और कांग्रेस के गठबंधन पर भी निशाना साधा। उन्होंने इसे चुनाव से पहले ही विफल करार देते हुए कहा कि एक तरफ दोनों दलों की बैठकें चल रही हैं और दूसरी तरफ प्रत्याशी घोषित किए जा रहे हैं। दोनों दलों पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने प्याज भी खाया और जूता भी। योगी ने स्पष्ट किया कि भाजपा और एनडीए के सहयोगी मिलकर चुनाव लड़ेंगे। प्रत्याशियों का चयन पार्टी की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। घुसपैठियों के मुद्दे पर विपक्ष को घेरा- मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सपा विदेशी घुसपैठियों को अपना मानती है, जबकि मतदाता सूची में केवल पात्र भारतीय नागरिकों के नाम होने चाहिए। मृतकों और स्थान बदल चुके मतदाताओं के नाम हटाए जाने जरूरी हैं। किसी भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम सूची से नहीं कटना चाहिए, लेकिन विदेशी नागरिक को मतदान का अधिकार नहीं मिल सकता।

कट्टा-बम से ब्रह्मोस तक पहुंचा प्रदेश- सीएम ने कानून-व्यवस्था और विकास के मुद्दे पर पिछली सरकारों को निशाने पर लिया। कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में गुंडागर्दी, दंगे और अव्यवस्था थी। उस समय कट्टा-बम की फैक्ट्रियां चलती थीं, जबकि अब प्रदेश में रिवॉल्वर, राइफल और ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है। प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं और निवेश के लिए 36 सेक्टोरल नीतियां बनाई गई हैं। देश के मोबाइल उत्पादन का 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट का 60 प्रतिशत यूपी में तैयार हो रहा है। एमएसएमई और ओडीओपी के माध्यम से सवा तीन करोड़ लोगों को रोजगार मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था, प्रति व्यक्ति आय और बजट वर्ष 2017 के मुकाबले तीन गुना से अधिक बढ़े हैं। देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क में यूपी की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है। पहले दो एयरपोर्ट क्रियाशील थे, अब 17 संचालित हैं। इनमें पांच अंतरराष्ट्रीय हैं। प्रदेश के सात शहरों में मेट्रो चल रही है। नौकरी और सुरक्षा के मुद्दे पर भी गिनाईं उपलब्धियां- योगी ने बताया कि अब तक पौने दस लाख युवाओं को सरकारी नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। 26 जनवरी तक यह संख्या साढ़े दस लाख करने का लक्ष्य है। पहले चरण में 60 लाख युवाओं को टैबलेट दिए गए और दूसरे चरण में 25 लाख टैबलेट देने की तैयारी है। युवाओं को एआई, ड्रोन, रोबोटिक्स और सेमीकंडक्टर जैसी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

महिलाओं और व्यापारियों की सुरक्षा पर मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि बेटियों, व्यापारियों, निवेशकों और राह चलती महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के लिए दो ही जगह हैं, जेल या जहन्नुम। उन्होंने चार लाख मकान खरीदारों को आवास दिलाने और नोएडा जाने से जुड़े पुराने अंधविश्वास को तोड़ने का भी जिक्र किया।

यूपी चुनाव 2027ः मंत्री ओम प्रकाश राजभर का एलान, जहूराबाद से नहीं अकबरपुर से लड़ेंगे चुनाव



यूपी के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एक टीवी चैनल से बातचीत में अंबेडकरनगर की अकबरपुर सीट से विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान किया है। योगी सरकार के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने एलान किया है कि वो जहूराबाद से नहीं अकबरपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। मालूम हो कि अंबेडकरनगर से रामअचल राजभर विधायक हैं। राजभर ने जिला और सीट बदली है। ऐसे में उनका मुकाबला सपा के कद्दावर नेता से हो सकता है। ये बयान राजभर ने एक टीवी चैनल से बातचीत में दिया है। सीट बंटवारे से पहले ही सुभासपा-निषाद पार्टी में रार- चुनाव की आहट के साथ ही भाजपा नीत एनडीए के दो प्रमुख सहयोगी दलों के बीच सीटों को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। आजमगढ़ की अतरौलिया सीट पर निषाद पार्टी के साथ सुभासपा ने भी दावा ठोंक दिया है। इससे दोनों दलों के नेताओं के बीच रार बढ़ती दिख रही है। संग्राम यादव ने निषाद पार्टी के प्रत्याशी को हराकर सीट बरकरार रखी थी, जबकि चौरीचौरा से निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद के बेटे ने जीत दर्ज की थी। अब 2027 के चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे की कवायद के बीच दोनों दल पिछले चुनाव के मतों और अपने कोर वोट बैंक के आधार पर दावेदारी कर रहे हैं।

26 नहीं, 403 सीट पर हमारी चर्चा, सम्मानजनक समझौते के बाद करेंगे एलान; कांग्रेस प्रभारी नाराज



यूपी में सपा और कांग्रेस गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान जारी है। इस बीच यूपी के कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि बातचीत पूरी हो जाएगी और एक सम्मानजनक समझौता हो जाएगा, तो हम सबको बता देंगे।卐उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान जारी है। दोनों दलों के बीच 26 सीटों के फॉर्मूले को लेकर चल रही चर्चाओं पर अब कांग्रेस ने स्थिति स्पष्ट की है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने बुधवार को कहा कि दोनों पार्टियों के बीच बातचीत केवल 26 सीटों को लेकर नहीं, बल्कि प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों को लेकर हो रही है। उन्होंने कहा कि बातचीत पूरी होने के बाद दोनों दलों की सहमति से सम्मानजनक समझौते का ऐलान किया जाएगा।गौतम ने पत्रकारों से बातचीत में 26 सीटों के फॉर्मूले से जुड़ी खबरों को खारिज करते हुए कहा, 26 सीटें? 26 सीटों को लेकर ऐसी कोई चर्चा नहीं है। हमारी बातचीत सभी 403 सीटों के बारे में है। जब बातचीत पूरी हो जाएगी और एक सम्मानजनक समझौता हो जाएगा, तो हम सबको बता देंगे।उन्होंने दोनों दलों के नेताओं से बातचीत के दौरान संयम बरतने और जिम्मेदारी से बयान देने की अपील भी की। गौतम ने कहा कि गठबंधन के हित में जरूरी है कि दोनों पक्ष बातचीत की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले बयानों से बचें।सपा की पांच उम्मीदवारों की सूची पर कांग्रेस को आपत्ति-सीट बंटवारे पर बातचीत पूरी होने से पहले ही समाजवादी पार्टी की ओर से पांच उम्मीदवारों की पहली सूची जारी किए जाने पर भी कांग्रेस प्रभारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जब दोनों दलों के बीच सीटों को लेकर बातचीत चल रही है, तब किसी खास सीट पर उम्मीदवार घोषित करने से बचना चाहिए था। कुछ खास सीटों की घोषणा करना, जो कि हुआ है, एक ऐसी चीज है जिससे बचना चाहिए था। जब उनसे पूछा गया कि सपा ने जिन पांच सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं, उनमें कांग्रेस की मांग वाली सीटें भी शामिल हैं, तो उन्होंने कहा, अगर ऐसा नहीं हुआ होता, तो आप मुझसे यह सवाल नहीं पूछते, है ना? उन्होंने दोहराया कि बातचीत अभी जारी है और उन्हें उम्मीद है कि दोनों दलों के बीच मतभेद दूर हो जाएंगे।

संपादकीय Editorial

Transportation as Death

The revelation of the deaths of six children has deeply shocked Himachal's system. Six young people, including four minors, set out to find paradise, but life, far from enjoyment, descended into mourning. This accident in Ladbhadol, Mandi, has the entire state wondering how we have turned transportation into a vehicle of death. Thousands of reasons are raised in the cries of road accidents that occur almost every day and night, yet there is no systemic change to discipline transportation. Let us forget for a moment that vehicles leave wounds on their floors in the frenzy of high speeds or that we have not yet learned the etiquette of driving, yet some arrangements can be made to keep an eye on everyone. If the eldest of the children who died was nineteen years old, it raises questions about the required maturity for driving. When these children are carried in funeral processions, parents will also regret why such young children were given the steering wheel on the path of death. The reason for children going missing in the dead of night will be questioned from their own families. Sadly, traffic and crime reporting systems awaken hours after an accident. How can rescue routes to the accident site be so harsh and cowardly that all cries before death are silenced? We have been demanding for years that Himachal's roads be properly patrolled. Of course, every district has mechanically equipped police vehicles, but why does the information at the scene of an accident go silent? Surprisingly, convoys passing through crowds leave the public isolated, leaving behind ruins of the system. Neither the Public Works Department (PWD) is aware of the potholes and curves on the roads, nor does any agency know how many lives are left in the vehicles running. After Covid, unnecessary vehicle congestion has increased in Himachal.

The roads are filled with coffins of death, like old vehicles discarded from other states, while the Transport Department's inspectors remain asleep in their offices. In fact, transport management must be understood in the context of improved infrastructure, traffic management, and transportation pressure. Bus stops and parking along roadsides are making driving itself a chore. The entire traffic control system is given a VIP treatment, making the rest of the day a test. At least in cities, traffic police should be deployed everywhere, like in Shimla. Similarly, intersections from rural to urban areas must be adapted to traffic needs. In particular, old and new intersections must be strengthened to manage traffic on four-lane roads. Urban transport systems need to be strengthened on a different scale. There is also a need to make public transport more beneficial for personal convenience. In particular, crowded areas, markets, and city destinations should be connected with various public transport options. Traffic systems need to be developed to suit the hustle and bustle of life and increasing social activity. The rush to reach tourist destinations often results in accidents, so vehicles must be halted ten to fifteen kilometers before major tourist destinations, and further travel must be undertaken via ropeways or other such alternatives. However, the Ladbhadol road accident has once again brought all causes to light. In the face of human compassion, this is nothing short of a human tragedy.

Andhaka's befitting reply to Kansa: Who and how showed the mirror to Kansa, intoxicated with the pride of his position and power?

Andhaka warned Kansa that his arrogance, his hatred for his own relatives, his indifference to royal duties, and his constant anger were leading him to destruction. Kansa had sent Akrura to invite Krishna and Balarama to Mathura. Kansa actually wanted to have Krishna killed. He vehemently denounced the Yadava clan in the full assembly, and the Yaduvanshis present in the assembly covered their ears. They understood that Kansa had invited his own destruction. A fearless and elderly Yadav named Andhaka was also present in the same assembly.

When he heard Kansa's absurd words, he fearlessly told him,

"Son! The speech you have given for so long is neither worthy of respect nor praise. Insulting one's own relatives is unbecoming of a noble man." If you don't consider yourself a Yadav, then no one is forcing you to remain in this clan. You can adopt any identity you wish.' Andhaka continued, 'You have become arrogant about your position and power. You want to destroy your clan by insulting the Yadavas you rule. A man is not identified by his name, attire, or outward appearance, but by his conduct and qualities. Out of arrogance, you have insulted elders and noble men, which is a crime akin to brahminicide.' Then Andhaka took Vasudeva's side, saying that it is not a crime for a father to protect his son. If Vasudeva hid his son to save him, what was wrong in that? A son saves his father and ancestors from hell, that is why he is called a son.

You became hostile to Krishna and Balarama from their birth, so you are the one who started this enmity. By insulting Vasudeva, you have further increased the anger of Shri Krishna and also aroused resentment in the hearts of all the Yadavas.

Andhaka then mentioned the ominous signs visible in Mathura. He said, "The unfavorable positions of Rahu, Mars, Mercury, and Venus are visible in the sky. The influence of a comet is causing ominous changes in the constellations. The directions are becoming dim in the evening."

Andhaka continued, saying that animals and birds were behaving abnormally. Describing the signs, he added, "A ferocious jackal emerges from the cremation ground and circles the city, howling while spewing flames like embers from its mouth. The earth and mountain peaks tremble, meteors fall from the sky, and a solar eclipse plunges darkness into the day." All these signs indicate a major royal disaster.

Andhaka warned Kansa that his hatred for his relatives, his indifference to royal duties,

and his constant anger were leading him to destruction. In his arrogance, he had harmed himself by insulting a brilliant and elderly man like Vasudeva. Now the Yadavas' affection and support for Kansa had vanished. They did not want to sit with him even for a moment. Finally, Andhaka, remembering Akrura, said to Kansa, "Akrura is fortunate to have had the opportunity to go to the forest and see Lord Krishna, the lotus-eyed one. The roots of the Yadava clan have been weakened by Kansa, but only Lord Krishna can return and reunite his scattered relatives. Vasudeva had forgiven your crime. But time has destroyed your wisdom, so you are speaking nonsense." Finally, Andhaka told Kansa, "My suggestion is that you immediately take Vasudeva with you to Sri Krishna and make a treaty with him." Hearing this, Kansa's eyes turned red with anger. Without saying anything, he got up angrily and went to his palace.

An extraordinary failure and some questions: The threat to digital systems isn't from an external enemy, but an internal shift within the company is crucial.

Microsoft services were down for 18 hours in 74 countries without any hacker or AI attack, while a network failure halted flights in the US for four hours. Both these incidents indicate that the threat to our vast digital systems isn't from external enemies, but from internal shifts within the company. I noticed this late Thursday night. My inbox had stopped updating. I did what everyone usually does in such a situation: first blamed the Wi-Fi, then restarted the router and tried again. But to no avail. By the next morning, it was clear that the problem wasn't with the internet. The glitch was from Microsoft, and its impact was visible everywhere. Outlook, Teams, OneDrive, and Copilot crashed in 74 countries. It took Microsoft approximately 18 hours to restore services to a large extent. Some serious and disturbing news emerged from several countries. Here in the US, too, airlines warned passengers that their email support had been affected. Microsoft apologized for the outage. According to the company, the problem was related to an earlier upgrade to increase network capacity, which was discovered during subsequent network changes. It also clarified that it had nothing to do with hackers or AI. I can understand why people might be relieved to hear this, but I wasn't. Just imagine what this means. Many hostile countries spend years and vast sums of money trying to disrupt such massive digital systems, but most fail. This time, no one even had to try. A routine maintenance work brought everything to a standstill. The next day, in a separate incident, a network outage grounded all flights in the US for more than four hours. While these two incidents, occurring over two days, may not be connected, they point in the same direction. Today, large digital systems are more vulnerable to outages due to internal glitches and routine changes than external attacks. Our digital systems once had ample capacity to prevent and manage the impact of minor errors. However, this security is gradually weakening. Microsoft itself admitted that it had restarted some servers, but they crashed again as soon as traffic returned. Some engineers believe that a vulnerability had existed in the code for years, and recent changes activated it. However, this can only be confirmed by a detailed report from Microsoft.

Whatever the root cause of the outage, restoring such a system requires human expertise, especially those who understand intimately how a large and complex system works and how its various components interconnect. People with such experience and expertise cannot be hastily hired or created with the help of technology. Therefore, I don't believe this is simply a shortcoming of a network team. This is the story of decisions made at the company's top leadership.

CEO Satya Nadella has stated that AI is now writing a significant portion of the code in some of Microsoft's projects. The company is planning to spend approximately $175 billion on AI infrastructure this year. On the other hand, it laid off thousands of employees and offered voluntary leave to approximately 60,000 employees barely two weeks before the service outage. However, Thursday's outage cannot be attributed to these decisions. Microsoft has yet to release a full report on the incident. But anyone who has worked at a major tech company knows how things work there. Currently, the focus is on launching new AI features as quickly as possible. Therefore, I would call this an extraordinary failure of Microsoft's leadership. Will Microsoft lose its customers after this incident? It's unlikely. And this is what worries me even more than the service outage. Moving a large organization away from Outlook and Teams and onto another platform is not easy. This can take considerable time, require retraining employees, and require significant spending on consulting. No one would want to take such a risk. Even Microsoft knows this.

After the 2008 financial crisis, we began stress-testing banks. Today, hospitals, courts, parliaments, airlines, and stock markets are operating with the help of a handful of cloud and software companies. These companies should be subject to similar strict oversight. India should work vigorously in this direction. Our ministries, banks, IT companies, and airlines also depend on a small number of service providers. The Reserve Bank of India already requires banks to be prepared to deal with the eventuality of a critical service provider outage. This approach needs to be extended beyond the banking sector. Large Indian companies and institutions should include provisions for regular system restoration exercises, independent audits, and penalties for violations in their contracts with service providers. One more thing. Fixing the glitches in these large digital systems Many of the engineers who do this come from India. They fix systems that were designed years ago by someone else. If anyone has any idea how the number of experienced experts handling such complex systems is dwindling, it's us. When Microsoft's report comes out, it'll likely blame a change in network settings and a few faulty lines of code for the problem. I hope it also answers the question that really matters:

सगाई की अनमोल निशानी खोई तो थम गई थी सांसें... 30 कैमरे खंगालकर क्रपुलिस ने साढ़े 3 घंटे में लौटाई दंपती की मुस्कान

मुरादाबाद पुलिस ने एक कपड़ा कारोबारी की पत्नी की खोई हुई दो लाख रुपये की हीरे की सगाई की अंगूठी साढ़े तीन घंटे में ढूंढ निकाली।

दंपती ने जिम कार्बेट जाते समय दौलपुरी चौराहे पर अंगूठी खो दी थी, जिसे 25-30 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर बरामद किया गया।पांच पुलिसकर्मियों ने 25-30 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, अंगूठी मिलने पर खिल उठे दंपती के चेहरे पत्नी के हाथ से फिसली दो लाख रुपये की हीरे की अंगूठी सिर्फ एक जेवर नहीं, बल्कि दंपती की सगाई की अनमोल निशानी थी।

जिम कार्बेट पार्क की सैर पर निकले कपड़ा कारोबारी शिवम कत्याल को जब पता चला कि पत्नी की अंगुली से इंगेजमेंट रिंग कहीं गिर गई है तो परिवार की खुशी चिंता में बदल गई।

तीन दिन तक अंगूठी मिलने की उम्मीद लगाए रहे

दंपती ने मंगलवार को भगतपुर पुलिस से गुहार लगाई। पुलिस ने भी इसे महज खोया हुआ सामान समझकर नजरअंदाज नहीं किया।

पांच पुलिसकर्मियों ने 25 से 30 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और महज साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद अंगूठी खोज निकाली।

अनमोल निशानी वापस मिली तो दंपती के चेहरे पर मुस्कान लौट आई।

पुलिस के अनुसार, शिवम कत्याल 21 नवंबर को परिवार के साथ निजी वाहन से जिम कार्बेट पार्क जा रहे थे। सुबह करीब 11 बजे वह भगतपुर क्षेत्र के दौलपुरी चौराहे पर रुके। यहां पत्नी और बच्चों ने वाहन से उतरकर एक दुकान से सामान खरीदा और रवाना हो गया।

रामनगर पहुंचने पर पत्नी ने बताया कि उनके हाथ से इंगेजमेंट रिंग कहीं गिर गई है। यह सुनकर शिवम अवाक रह गए।

करीब दो लाख रुपये कीमत की यह अंगूठी उन्होंने पत्नी को सगाई के समय पहनाई थी। लिहाजा, इसकी कीमत से कहीं अधिक भावनात्मक महत्व था।मंगलवार को शिवम भगतपुर थाने पहुंचे और पुलिस को पूरी घटना बताई। थाना प्रभारी सुमित राठी ने दो टीमें गठित कीं। उपनिरीक्षकों सहित पांच पुलिसकर्मी दौलपुरी चौराहे पहुंचे और वहां लगे करीब 25 से 30 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की।

एक-एक कैमरे की रिकार्डिंग देखने के दौरान पुलिस को एक व्यक्ति चौराहे पर पड़ी अंगूठी उठाते हुए दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने उस व्यक्ति से संपर्क किया और अंगूठी प्राप्त कर कारोबारी को सौंप दी।

तीन दिन से खोई सगाई की निशानी वापस मिलने पर शिवम कत्याल और उनकी पत्नी ने पुलिसकर्मियों का आभार जताया। पुलिस की तत्परता ने न केवल कारोबारी परिवार की दो लाख रुपये की संपत्ति लौटाई, बल्कि उनके रिश्ते से जुड़ी एक अनमोल याद भी सुरक्षित कर दी।

दो बाइकों की भिड़ंत के बाद सड़क पर गिरे छात्र को अज्ञात वाहन ने कुचला, मौत; यूपी पुलिस का एक सिपाही घायल

मुरादाबाद के भोजपुर में दो बाइकों की भिड़ंत के बाद सड़क पर गिरे एक छात्र को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इस हादसे में एक पुलिस कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुरादाबाद में दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हुई सड़क पर गिरे छात्र सोंटी को अज्ञात वाहन ने कुचला- हादसे में छात्र की मौत, सिपाही परवेज गंभीर घायल भोजपुर क्षेत्र में बुधवार सुबह मुरादाबाद-टिहरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांव नेकपुर रोड दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत के बाद सड़क पर गिरे छात्र को पीछे से आए अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। हादसे में किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक सिपाही परवेज गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल सिपाही को कॉसमॉस अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है। बाइक से ट्यूशन जा रहा था सोंटी- गांव नेकपुर निवासी लेखराज का 17 वर्षीय बेटा सोंटी बुधवार सुबह करीब सात बजे बाइक से पीपलसाना में ट्यूशन पढ़ने जा रहा था। इसी दौरान गांव मूलावान निवासी महबूब हुसैन का 23 वर्षीय पुत्र परवेज बाइक से मुरादाबाद की ओर जा रहा था। नेकपुर रोड पर कपड़े के गोदाम के पास दोनों की बाइकों में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।

टक्कर के बाद दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए।पीछे से आ रहे वाहन ने सोंटी को कुचल दियाइस हादसे के बीच पीछे से तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने सड़क पर पड़े सोंटी को कुचल दिया। इससे छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल परवेज को उपचार के लिए कॉसमॉस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि परवेज उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी के पद पर तैनात है। वर्तमान में उसकी तैनाती मुजफ्फरनगर जिले के खतौली थाने में है। हादसे की सूचना मिलते ही भोजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने किशोर के शव का पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, सोंटी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

न प्रमोशन मिला, न समायोजन... मुरादाबाद में गुपचुप तरीके से पूरी कर दी गई 367 पदों पर आंगनबाड़ी भर्ती!

मुरादाबाद में 367 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका पदों पर भर्ती में अनियमितताओं का आरोप है।

मौजूदा सहायिकाओं को पदोन्नति या समायोजन का अवसर नहीं मिला, और चयन सूची सार्वजनिक किए बिना नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के पदों पर नियुक्ति में अनदेखी किए जाने का है

आरोप विभाग में वर्षों से सहायिका के रूप में काम कर रहीं महिलाओं को उम्मीद थी कि कार्यकर्ता पदों पर रिक्तियां निकलेंगी तो उन्हें पदोन्नति या समायोजन का अवसर मिलेगा, लेकिन उनकी उम्मीद पूरी नहीं हुई।

विभाग ने न प्रमोशन दिया और न समायोजन की प्रक्रिया अपनाई। सीधे नई भर्ती कर दी गई।

जिले में 367 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया में चयन सूची सार्वजनिक नहीं किए जाने में हीलाहवाली करने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि सूची नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने के बजाए विभाग के अधिकारी की ओर से आवेदिकाओं को एक-एक करके फोन किया जा रहा है और कार्यालय बुलाकर नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं।इस व्यवस्था के खिलाफ कई आवेदिकाएं शिकायत कर चुकी हैं। मामला मुख्य विकास अधिकारी तक पहुंच गया है लेकिन, कार्रवाई के नाम पर कुछ अभी तक नहीं हुआ।

आरक्षण के नाम पर हुए खेल की फाइल भी लखनऊ जाकर दब गई है। जनपद में इसी साल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के कुल 367 पदों पर भर्ती निकली थी।

इनमें कार्यकर्ता के 51 और सहायिका के 316 पद शामिल हैं।

आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयन सूची अंतिम रूप से तैयार कर ली गई, लेकिन आरोप है कि इसे सार्वजनिक नहीं किया गया।

मुरादाबाद देहात, बिलारी और भगतपुर टांडा क्षेत्र के कुछ नियुक्ति पत्र माननीयों को बुलाकर बंटवा दिए हैं। बाकी को आफिस बुलाया। आवेदिकाओं का कहना है कि जब चयन सूची तैयार हो चुकी है तो इसे नोटिस बोर्ड पर चस्पा क्यों नहीं किया जा रहा है?जिला विकास अधिकारी श्वेतांक पांडेय ने बताया कि वह भर्ती कमेटी में शामिल नहीं हैं। एक मामले की जांच उन्हें सौंपी गई थी। जांच पूरी करके रिपोर्ट आला अधिकारियों को सौंप दी है।

समायोजन की अर्जी को ठुकराया-कुंदरकी ब्लाक की आंगनबाड़ी सपना का कहना है कि शादी के बाद उनका उनका समायोजन होना चाहिए था, लेकिन विभाग ने ऐसा नहीं किया। रामपुर की तरन्नुम जहां ने बताया कि शादी के बाद वह मुरादाबाद में समायोजन चाहती थीं।

इसके लिए उन्होंने आवेदन भी किया था, लेकिन उनकी मांग पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि नई सुपरवाइजरों को बैठाकर भर्ती प्रक्रिया पूरी करा दी गई, जबकि पहले से काम कर रही सहायिकाओं के प्रमोशन और समायोजन पर ध्यान नहीं दिया गया।

बुजुर्गों की पेंशन फरियाद का रिकॉर्ड गायब! जांच में खुला चौंकाने वाला खेल, 3 कर्मियों को नोटिस

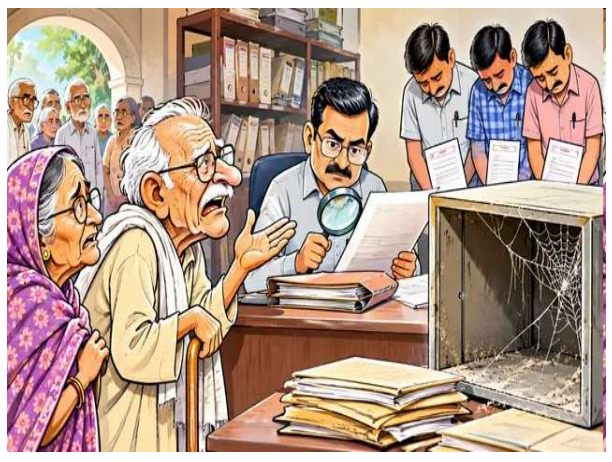

मुरादाबाद में वृद्धावस्था पेंशन शिकायतों के रिकॉर्ड में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है, जहां दो महीने में सिर्फ 18 आवेदन दर्ज मिले। जिलाधिकारी ने इस लापरवाही पर तीन कर्मचारियों को नोटिस जारी किया है, क्योंकि बुजुर्गों की शिकायतें अनसुलझी रहीं।20 नवंबर को पिछले दो महीने के अभिलेखों और शिकायत रजिस्टर की जांच में खुला खेल जिले में शिकायतों के घोटाले का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। आपको यह बात चौकाने वाली जरूर लग रही होगी मगर, यह सच है। वृद्धावस्था पेंशन की उम्मीद लेकर बुजुर्ग जिलाधिकारी की जनसुनवाई में पहुंचते रहे, लेकिन उनकी शिकायतों का रिकार्ड ही अधूरा मिला।

किसी की तीन महीने से पेंशन बंद थी तो कोई जरूरी प्रपत्रों की कमी के कारण योजना का लाभ पाने के लिए भटक रहा था। दो महीने के जनसुनवाई रजिस्टर की जांच में पेंशन से जुड़े महज 18 आवेदन दर्ज मिले।बाकी शिकायतों का हिसाब विभाग के पास नहीं था। जिलाधिकारी अनुनय झा ने इस लापरवाही पर समाज कल्याण पर्यवेक्षक पंकज कुमार, वरिष्ठ सहायक श्याम सुंदर और शरद गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

तीनों से सात दिन के भीतर अलग-अलग स्पष्टीकरण मांगा गया है। 20 नवंबर को पिछले दो महीने के अभिलेखों और शिकायत रजिस्टर की जांच की गई थी। इसमें दर्ज आवेदनों का विवरण और उन पर हुई कार्रवाई का ब्योरा भी अधूरा मिला।जनसुनवाई में रोजाना 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग वृद्धावस्था पेंशन से जुड़ी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। पात्र लोगों को योजना का लाभ दिलाने और समस्याओं का समाधान कराने को जिला समाज कल्याण अधिकारी ने तीनों कर्मचारियों की अलग-अलग दिन ड्यूटी लगाई थी।

कर्मचारियों की जिम्मेदारी आवेदन लेकर आगे बढ़ा देने तक सीमित नहीं थी। हर आवेदन को रजिस्टर में दर्ज करने, पेंशन की जरूरी प्रक्रिया पूरी कराने और स्वीकृति मिलने तक निगरानी करने के साथ बुजुर्गों से संपर्क कर खाते में पेंशन पहुंचने की पुष्टि भी करनी थी। कई मामलों में आवेदन के निस्तारण और पेंशन मिलने की पुष्टि नहीं की गई। डीएम ने इसे खेदजनक और आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि वृद्ध और असहाय लोगों से जुड़े मामलों में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सात दिन में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एकपक्षीय कार्रवाई होगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी को सप्ताह में कम से कम दो बार शिकायत रजिस्टर का निरीक्षण करने और लंबित मामलों का प्राथमिकता से निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

किसी की पेंशन बंद, कोई महीनों से लगा रहा विभाग के चक्कर- कुंदरकी के मलकपुर गांव निवासी कुलसुम की तीन महीने से पेंशन बंद है। उनका कहना है कि वह दो बार समाज कल्याण विभाग के चक्कर लगा चुकी हैं।

हर बार उनकी बात सुनकर समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया गया, लेकिन खाते में पेंशन आनी शुरू नहीं हुई। तीन महीने से वह इंतजार कर रही हैं।

मुरादाबाद विकास खंड के शाहपुर मुस्तकम गांव निवासी मुन्ने अली की पेंशन कई महीने तक प्रपत्रों की कमी के कारण अटकी रही। वह शिकायत दर्ज कराने समाज कल्याण कार्यालय पहुंचे। इसके बाद सचिव से मुलाकात की तो उनकी समस्या का समाधान हो सका।

वहीं, मोहम्मदपुर बस्तौर निवासी राजाराम की पेंशन का मामला कई महीने से उलझा हुआ है। वह कई बार मुख्यालय पहुंचकर अपनी परेशानी बता चुके हैं, लेकिन अभी तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

तहसीलों में भी शिकायत निस्तारण में खेल-तहसीलों पर आने वाली शिकायतों में हर दिन पांच शिकायतों का निस्तारण उपजिलाधिकारियों को करना अनिवार्य है। डीएम ने इसकी पहल की थी। शुरुआत में तो व्यवस्था ठीक चली।

मगर, अब खानापूर्ति शुरू हो गई है। पता चला कि संबंधित शिकायतों का निस्तारण दिखाकर तहसील में तैनात कार्मिकों का ही नंबर डाल दिया जा रहा है। एक ही फोन नंबरों का कई जगह प्रयोग है।

राशन कार्डों से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण दिखाकर कोटेदार का नंबर डाल दिया जा रहा है। जिससे फीडबैक में खेल पकड़ा ना जा सके। मतलब डीएम की ही पहल का पलीता लगाना शुरू कर दिया गया है, जो हैरान करने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

26 नवंबर से 5 दिसंबर तक युवा केंद्र, साईं मंदिर रोड, दीनदयाल नगर में होगा भव्य आयोजन

जनपद के पारंपरिक हुनर, हस्तशिल्प, खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों को नई पहचान दिलाने तथा ग्रामीण कारीगरों और उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'मुरादाबाद खादी महोत्सव-2026' का शुभारंभ 26 नवंबर 2026 से होगा। 10 दिवसीय यह भव्य महोत्सव 5 दिसंबर 2026 तक युवा केंद्र, साईं मंदिर रोड, दीनदयाल नगर, मुरादाबाद में आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में परंपरा, आधुनिकता, स्वदेशी उत्पाद और आत्मनिर्भरता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने बताया कि इस महोत्सव में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के साथ-साथ उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश एवं जम्मू-कश्मीर से आए कुशल कारीगर, बुनकर एवं ग्रामोद्योग उद्यमी अपने उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय करेंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्र के छोटे कारीगरों एवं उद्यमियों को सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ने और अपने उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने का अवसर मिलेगा। एक ही छत के नीचे मिलेंगे देश-प्रदेश के उत्कृष्ट स्वदेशी उत्पाद- महोत्सव में आगंतुकों को एक जनपद-एक उत्पाद (ओडीओपी), खादी, हस्तशिल्प एवं माटी कला से जुड़े विविध उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। इनमें बनारस की प्रसिद्ध सिल्क साड़ियां, लखनऊ की चिकनकारी, भदोही के कालीन, उत्तराखंड के ऊनी एवं गर्म वस्त्र, कश्मीरी पश्मीना तथा सूती एवं रेशमी खादी के कुर्ते-पायजामे, सदरी और लोई प्रमुख आकर्षण होंगे। माटी कला के अंतर्गत आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, गोरखपुर का टेराकोटा सहित कुल्हड़, सुराही, मटके, तवा, हांडी, चाय के कप-प्लेट, गमले, गुल्लक, डिजाइनर दीये, झूमर एवं आकर्षक शो-पीस उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा मुरादाबाद के प्रसिद्ध पीतल उत्पाद, सहारनपुर का नक्काशीदार लकड़ी का फर्नीचर, खुर्जा की पॉटरी, फिरोजाबाद के कांच के उत्पाद, कानपुर एवं आगरा के चमड़े के उत्पाद तथा राजस्थान की जूतियां भी आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होंगे। खाद्य एवं सुगंधित उत्पादों में कन्नौज का प्राकृतिक इत्र, हाथरस की हींग, अचार एवं मुरब्बा, बीकानेरी नमकीन एवं पापड़, उत्तराखंड की पहाड़ी दालें, मंडुआ, शुद्ध शहद तथा आयुर्वेदिक एवं हर्बल सौंदर्य उत्पाद भी उपलब्ध रहेंगे। खादी उत्पादों पर 20 से 40 प्रतिशत तक विशेष छूट- महोत्सव में आमजन को स्वदेशी एवं खादी उत्पादों की खरीद के लिए प्रोत्साहित करने हेतु खादी के वस्त्रों एवं उत्पादों पर 20 से 40 प्रतिशत तक की विशेष छूट प्रदान की जाएगी। वहीं माटी कला, ग्रामोद्योग एवं अन्य हस्तशिल्प उत्पादों की खरीद पर 20 से 30 प्रतिशत तक की छूट का लाभ भी प्राप्त किया जा सकेगा। प्रतिदिन होगी रंगारंग सांस्कृतिक संध्या- महोत्सव में खरीदारी के साथ-साथ प्रतिदिन संध्याकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा लोकगीत एवं लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिससे आगंतुकों को भारतीय लोक संस्कृति एवं परंपराओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। 'वोकल फॉर लोकल' को मिलेगा बढ़ावा- आयोजन समिति एवं प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे अपने परिवार एवं मित्रों के साथ महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें तथा स्थानीय कारीगरों, कुम्हारों, बुनकरों एवं ग्रामीण उद्यमियों द्वारा तैयार गुणवत्तापूर्ण और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों की खरीदारी करें। स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित कर 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को साकार करने के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

गड्ढे से बचने की कोशिश में बेकाबू हुई थी कार

रामपुर। लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर दुर्गनगला स्थित फ्लाईओवर से करीब दस मीटर पहले सड़क पर बने गड्ढे से बचने की कोशिश में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर करीब 20 फीट नीचे जा गिरी थी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कार करीब 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी।इस भीषण हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई थी। फ्लाईओवर पर कई जगह गड्ढे होने के साथ ही प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। बरेली से मुरादाबाद की ओर आने वाली लेन पर रेलिंग भी नहीं है, जिससे यहां हादसे का खतरा बना रहता है। एएसपी अनुराग सिंह के मुताबिक, कार करीब 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी। इसी दौरान फ्लाईओवर पर अचानक सामने गड्ढा आ गया। चालक ने कार को गड्ढे से बचाने का प्रयास किया

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

शिक्षक व शिक्षामित्र संघ ने नवागत बीईओ का किया स्वागत

@ क्यूँ न लिखूँ सच





फतेहगंज पश्चिमी। बुधवार को शिक्षक व शिक्षामित्र संघ के नेताओं ने नवागत खंड शिक्षा अधिकारी रमेश पंकज का बीआरसी परसाखेड़ा कार्यालय पहुंचकर बुके देकर स्वागत किया। बीईओ भानुशंकर गंगवार का शाहजहांपुर स्थानांतरण हो जाने के बाद शाहजहांपुर से आए रमेश पंकज को फतेहगंज पश्चिमी बीईओ का दायित्व सौपा गया। बुधवार को शिक्षक व शिक्षामित्र संघ के पदाधिकारियों ने बीईओ से भेंटकर फूल मालाओं व बुके देकर उनका स्वागत किया। बीईओ रमेश पंकज ने कहा कि शिक्षकों व शिक्षामित्रो की समस्याओं का समाधान और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार उनकी प्राथमिकता होगी। सभी के सहयोग और आपसी समन्वय से ब्लॉक की शैक्षिक गतिविधियों को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष कपिल यादव, सतीश गंगवार, दौलत राम, शिवलाल, नरायण दास, मुंशीलाल, राजीव उपाध्याय आदि शिक्षामित्र मौजूद रहे। वही शिक्षक संघ से हरीश बाबू गंगवार, गुलरेज जैदी, संजय कुमार शर्मा, राहुल यदुवंशी, विनोद चौधरी, नफीस अंसारी, चंद्रशेखर मिश्रा, मनोज कुमार शर्मा, प्रदीप कुमार पांडे आरिफ हुसैन आदि शिक्षकों के साथ एआरपी संगीता मित्तल, आशीष शर्मा, पूजा चौधरी, एलएलएफ से कमरुद्दीन ने भी बुके देकर स्वागत किया।।

बिना अनुमति जुलूस, धरना और डीजे बजाने पर लगी रोक, नियम तोड़ने पर बीएनएस की धारा 223 में होगी कार्रवाई - डीएम

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली । (ब्यूरो)आगामी त्योहारों, धार्मिक आयोजनों और परीक्षाओं के दौरान जिले में शांति व कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने पूरे जनपद में 25 नवंबर 2026 से 22 जनवरी 2027 तक निषेधाज्ञा लागू कर दी है। इस अवधि में सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जनसभा, धरना-प्रदर्शन, जुलूस या धार्मिक आयोजन नहीं किए जा सकेंगे। आदेश के तहत शोभायात्रा, कथा, कीर्तन और जागरण जैसे कार्यक्रमों के लिए भी प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। ध्वनि प्रदूषण पर लगाम कसने के लिए बिना लिखित अनुमति डीजे और लाउडस्पीकर बजाने पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है। अनुमति मिलने के बाद भी सुबह 6 से रात 10 बजे तक ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग हो सकेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि तेज आवाज से विद्यार्थियों और मरीजों को किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। जुलूसों में माइक और हॉर्न की संख्या भी मजिस्ट्रेट द्वारा तय की जाएगी और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन करना होगा।

निषेधाज्ञा के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर बंदूक, पिस्तौल, तलवार, चाकू या कोई भी धारदार हथियार लेकर चलने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, ड्यूटी पर तैनात अधिकृत सरकारी कर्मचारियों और दृष्टिबाधित व बुजुर्ग व्यक्तियों (सहारे के लिए डंडा) को इस नियम से छूट दी गई है। डीएम ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को आदेश का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS)-2023 की धारा 223 के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विधिक साक्षरता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सिखाए , मौलिक अधिकार व साइबर सुरक्षा के गुर

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली । (ब्यूरो) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार बुधवार को इज्जतनगर क्षेत्र के नगरिया परीक्षित स्थित कुंवर रणजीत सिंह इंटर कॉलेज में %संविधान संवाद अभियान% के तहत विधिक साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) जया प्रियदर्शनी ने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान में निहित मौलिक अधिकारों और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिकारों की जानकारी ही हर नागरिक की सबसे बड़ी ताकत है। इस दौरान छात्रों को आपातकालीन स्थिति में तुरंत मदद के लिए प्रमुख टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर भी बताए गए= 15100= नालसा नि:शुल्क विधिक सहायता 1098= चाइल्ड हेल्पलाइन 1090= वूमेन पावर लाइन 1930= साइबर क्राइम हेल्पलाइन कार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसिल वीरेंद्र कुमार, पीएलवी सतेंद्र वर्मा, प्रधानाचार्य ओमपाल सिंह, नोडल अध्यापक रमेश चन्द्र सहित शिक्षकगण व लगभग 200 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

28 व 29 नवंबर को बूथों पर लगेंगे विशेष शिविर, डीएम ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली । (ब्यूरो) जनपद की मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटि रहित बनाने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। डीएम ने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत 28 नवंबर (शनिवार) और 29 नवंबर (रविवार) को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। अभियान के दोनों दिन सभी बीएलओ और सुपरवाइजर सुबह 10 से अपराह्न 4 बजे तक अपने निर्धारित बूथों पर फॉर्म-6, 7 और 8 के साथ मौजूद रहेंगे। डीएम ने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को बूथों पर भेजें ताकि पात्र नागरिकों के नाम जुड़वाए जा सकें। बीएलए एक बार में अधिकतम 10 और पूरे अभियान में कुल 30 फॉर्म-6 ही जमा कर सकेंगे। ?झूठी घोषणा पड़ेगी भारी, हो सकती है जेल- जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने या कटवाने के लिए केवल सही जानकारी ही दें। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 की धारा-31 के तहत मिथ्या घोषणा करना दंडनीय अपराध है, जिसमें एक वर्ष तक की जेल या जुर्माना हो सकता है। साथ ही, जिन मतदाताओं के बूथ बदले गए हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं। दावे और आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर तक होगा, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 04 जनवरी 2027 को किया जाएगा । बैठक में नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा समेत विभिन्न दलों के प्रतिनिधि व अधिकारीगण मौजूद रहे।

सहायता प्राप्त स्कूलों में पांच माह से वेतन नहीं, कर्मचारियों ने दी आंदोलन की चेतावनी

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली । (ब्यूरो) पांच महीने से मानदेय नहीं मिलने के कारण बरेली मंडल के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में तैनात आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। लंबे समय से भुगतान का इंतजार कर रहे कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ने लगी है। बीते दिवस सुभाष नगर स्थित गुरु नानक खालसा इंटर कॉलेज में शिक्षणेत्तर कर्मचारी संयुक्त परिषद की बैठक हुई। इसमें लंबित मानदेय का भुगतान जल्द नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी गई। बैठक में जिला अध्यक्ष हरिशंकर ने कहा कि कर्मचारियों को पांच माह से मानदेय नहीं मिला है। इससे उनके सामने परिवार की जरूरतें पूरी करने और रोजमर्रा के खर्च चलाने में परेशानी खड़ी हो गई है। कर्मचारियों को लगातार काम करने के बावजूद समय पर मानदेय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने लंबित भुगतान का मुद्दा उठाते हुए कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की मांग की।प्रदेश सचिव शैलेश कुमार सिंह ने संगठन को मजबूत बनाने और कर्मचारियों को एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती और आपसी एकता से ही कर्मचारियों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है। बैठक में संगठनात्मक विस्तार के तहत सर्वसम्मति से नरेश बाबू को मंडल उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

इस दौरान वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष कामरान आरिफ, जिला मंत्री सूरज प्रकाश, जिला उपाध्यक्ष तिलकराम, योगेश श्रीवास्तव, अरुण कुमार यादव, इरफान, सगीर समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

ब्लॉक प्रमुख ने किया सरकारी शादी हॉल के लिए भूमि पूजन

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली ।(ब्यूरो)बहेड़ी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहेड़ी विधानसभा के लिए स्वीकृत किया है। एक करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से यह सरकारी उत्सव भवन मिर्जापुर औरंगाबाद में बनेगा। इसके लिए दमखोदा ब्लॉक प्रमुख स्नेहलता गंगवार और सासंद छत्रपाल के प्रतिनिधि दुष्यंत गंगवार ने भूमि पूजन किया। बताते चलें कि बरेली सांसद छत्रपाल के प्रयास से बहेड़ी विधानसभा में आमजन के लिए उत्सव भवन स्वीकृत हुआ है। जिले भर की 9 में से 6 विधासभाओं में ग्रामीणों के लिए उत्सव भवन बनेंगे।

मिर्जापुर औरंगाबाद में 3 हजार वर्ग मीटर में एक करोड़ 40 लाख की लागत से यह सरकारी उत्सव भवन बनेगा। जिसका दमखोदा ब्लॉक प्रमुख स्नेहलता गंगवार और बरेली सांसद प्रतिनिधि दुष्यन्त गंगवार ने उत्सव भवन के लिए भूमि पूजन किया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार लोगों के लिए ढेरों कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। जिसका सभी को लाभ मिल रहा है। इस मौके पर बरेली सांसद छत्रपाल के प्रतिनिधि दुष्यंत गंगवार, प्रधान माया देवी,चौधरी आजाद सिंह, पंडित सुधीर शर्मा, दमखोदा प्रधान संघ के अध्यक्ष डोरीलाल गंगवार, आनंद गौतम, चौ, प्रेमवीर, पिछड़ा मोर्चा के राजेंद्र सिंह, सरदार हरि सिंह, चंद्रपाल गंगवार, भगवान दास गंगवार, बाबा विनोद गिरी धर्मवीर गंगवार, सुनील रस्तोगी, ललित शर्मा, ज्ञानेंद्र बबलू, निशांत गंगवार, चमन गंगवार आदि मौजूद रहे।

सरथल के देवी मंदिर से घंटे और माता की मूर्तियां चोरी

बिलारी @ **क्यूँ न लिखूँ सच** । कोतवाली क्षेत्र के सीमांत गांव सरथल के देवी मंदिर में से तेईस नवंबर की रात को मंदिर परिसर का पिछला दरवाजा काटकर अज्ञात चोरों ने छोटे बड़े छह घंटे और माता की पीतल की दो मूर्तियां चोरी कर लीं। मंदिर के सेवक हरभजन सिंह ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सवेरे पांच बजे जब वह मंदिर में गए तब उन्हें चोरी का पता चला। मंदिर में चोरी की सभी लोग घोर निंदा कर रहे हैं। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज करके चोरों की तलाश शुरू कर दी

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर के नीचे आया मासूम, की अस्पताल ले जाते समय मौत



बरेली मीरगंज। खेलने को घर से निकले मासूम बालक को गली में अचानक आए ट्रैक्टर ने रौंद दिया। इससे बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बरेली ले जाते उसकी रास्ते में मौत हो गई। कुछ लोगों ने दोनों पक्षों में समझौता करा दिया। क्षेत्र के गांव ठिरिय ब्रहमनान में साढ़े तीन वर्षीय अभिजीत अपने घर से मंगलवार की सुबह करीब 8.30 बजे खेलने के लिए निकला। अचानक गली में आए ट्रैक्टर ने अभिजीत को रौंद दिया। बालक ट्रैक्टर के टायर के नीचे आ गया। इससे गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन घायल को उठाकर इलाज के लिए बरेली ले गए। रास्ते में अभिजीत की मौत हो गई। समझौते के बाद हुआ अंतिम संस्कार परिजन शव लेकर गांव पहुंचे। इकलौते पुत्र के शव को देखकर मां बब्ली शर्मा बेसुध हो गईं। ट्रैक्टर गांव के व्यक्ति का है। कुछ लोगों ने दोनों पक्षों को बैठाकर समझौता करा दिया। समझौता होने पर परिजनों ने थाने में तहरीर नहीं दिया और बालक का दोपहर बाद अंतिम संस्कार करा दिया।

भटकते हुए लाल फाटक पहुंचा 5 साल का मासूम, कैंट पुलिस ने सकुशल पिता की गोद में सौंपा



बरेली ।(ब्यूरो) थाना कैण्ट पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सुबह से लापता पांच वर्षीय बालक को महज कुछ घंटों में सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बरकलीगंज निवासी नरेन्द्रपाल का 5 वर्षीय बेटा बुधवार (25 नवंबर) सुबह करीब 7 बजे घर से लापता हो गया था। काफी तलाश के बाद भी सुराग न लगने पर पीआरवी-9518 के जरिए पुलिस को सूचना दी गई। प्रभारी निरीक्षक संजय धीर के निर्देशन में गठित पुलिस टीम उ.नि. प्रतीक तोमर, कां. नितिन कुमार व पीआरवी कां. पुष्पेन्द्र कुमार ने तलाश के दौरान बच्चे को लाल फाटक के पास अकेला घूमते हुए बरामद किया। पिता द्वारा शिनाख्त किए जाने के बाद पुलिस ने बच्चे को सकुशल परिजनों को सौंप दिया। बच्चे को सही-सलामत पाकर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।

12 दिसंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, छूट के साथ सुलझेंगे बैंक विवाद



बरेली ।(ब्यूरो) आगामी 12 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए बैंक अधिकारियों के साथ अहम बैठक आयोजित की गई। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के निर्देशानुसार हुई इस बैठक में बैंक प्रबंधन को आपसी सुलह-समझौते से अधिकतम मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए।अपर जनपद न्यायाधीश उमाशंकर कहार, अशोक कुमार यादव और प्राधिकरण की सचिव जया प्रियदर्शिनी की मौजूदगी में विभिन्न बैंकों के प्रबंधकों से कहा गया कि वे लंबित व प्री-लिटिगेशन मामलों को चिह्नित कर लोक अदालत में प्रस्तुत करें। साथ ही, ऋण वसूली के मामलों में पात्र ऋणधारकों को नियमानुसार छूट देते हुए समझौते के आधार पर केस निपटाना सुनिश्चित करें। बैठक में लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आमजन से अपील की है कि वे 12 दिसंबर को अपने बैंक संबंधी विवादों का सरल और त्वरित समाधान कराएं।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को रौंदा, मां-बेटी समेत तीन की मौत, चालक की तलाश में जुटी पुलिस

हुसैनगंज थाना क्षेत्र में चंदीपुर चौराहे के पास ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में सड़क पर गिरे बाइक सवार तीन की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। वहीं, पुलिस ट्रक व चालक का पता लगाने में जुटी है।फतेहपुर जिले में रायबरेली हाईवे पर हुसैनगंज थानांतर्गत के चंदीपुर चौराहा के पास बुधवार दोपहर करीब एक बजे बाइक सवारों को सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। हाईवे पर गिरे बाइक सवार मां-बेटी व कोटेदार के पुत्र की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई।हुसैनगंज थाने के असनी निवासी सौरभ (22) बाइक से अपने गांव के मोहम्मद की पत्नी शबनम (35), पुत्री इल्मा (16) को बाइक से बहुआ छोड़ने जा रहे थे। हाईवे पर चंदीपुर गांव के पास ट्रक ने बाइक में टक्कर मारी। बाइक से छिटककर तीनों सड़क पर गिरे।जांच में जुटी पुलिस- ट्रक से बाइक सवार मां-बेटी व सौरभ की कुचलने से मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रक व चालक का पता लगाने में जुटी है। सौरभ गांव के कोटेदार चंद्रगुप्त मौर्या का पुत्र था। ट्रक रायबरेली की ओर जा रहा था। सीओ सिटी गौरव शर्मा ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है।

जिसने चलना और बोलना सिखाया, उसी पर बेटे ने उठाया हाथ; मां पहुंची थाने

@ क्यूँ न लिखूँ सच



कुंदरकी । औलाद हर किसी के बुढ़ापे का सहारा होती है उसके माध्यम से परिवार आगे बढ़ता है परंतु बोलना और चलना सिखाने वाली मां पर ही है कलयुगी बेटा सेवा सत्कार छोड़कर उस पर हाथ उठा दे इससे अधिक निंदनीय और शर्मनाक बात नहीं हो सकती। क्षेत्र के गांव शेखुपुर खास की बुजुर्ग सुंदरी देवी को जमीन के लालच में उन्हीं के बेटे ने बेरहमी से पीटकर घर से बाहर निकाल दिया। उसके दो बेटे सीताराम और टीकाराम हैं। बिलारी में पचास गज जमीन थी, जिसे छोटे बेटे टीकाराम ने खरीद लिया था। इसी जमीन के विवाद को लेकर मां और बेटे के बीच कहासुनी हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि संस्कारों को भूलकर बेटे ने बुजुर्ग मां पर हाथ उठा दिया और मारपीट कर उन्हें घर से निकाल दिया।

ऐसे में बेबस मां न्याय की आस में रोती-बिलखती थाना कुंदरकी पहुंचीं। थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने उसकी बात को सुना। इस दौरान वह फफक पड़ीं और कहा जिस औलाद को पाल-पोसकर बड़ा किया, आज वह दो वक्त की रोटी भी नहीं दे सकती, उल्टा मारपीट कर घर से निकाल दिया। बुजुर्ग महिला की व्यथा सुनकर थानाध्यक्ष भी भावुक हो गए। उन्होंने संवेदना का परिचय देते हुए पहले भूखी-प्यासी मां को अपने हाथों से पानी पिलाया और बिस्किट खिलाकर ढाढस बंधाया। इसके बाद उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस टीम को गांव के लिए रवाना किया और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। थाना अध्यक्ष की हमदर्दी से पीड़ित मां को न्याय की आस बंधी है।

भूमिहीनों को पट्टा दिलाने के लिए बताया मार्ग घरौनी बनवाने की प्रक्रिया भी बताई

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बिलारी । नेशनल एकेडमी फॉर सोशल मूवमेंट एवं नागरिक एकता परिषद की ओर से बुधवार को ग्वारऊ गांव में भूमि अधिकार एवं राजस्व संबंधी जागरूकता कार्यक्रम किया। ह्यूमन राइट डिफेंडर प्रेम कुमार ने भूमिहीन परिवारों को भूमि आवंटन, पट्टे के कानूनी प्रावधानों तथा सरकारी भूमि पर अधिकार से संबंधित प्रक्रिया बताई। बताया भूमि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि गरीब परिवारों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार भी है। भूमिहीन परिवारों को शासन की भूमि आवंटन संबंधी योजनाओं और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता के प्रावधानों की जानकारी होनी चाहिए, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए नियमानुसार दावा प्रस्तुत कर सकें। भूमि अधिकार दावा फार्म भरने, परिवार की पात्रता से संबंधित दस्तावेज तैयार करने तथा ग्राम पंचायत, लेखपाल, तहसील और राजस्व विभाग के समक्ष आवेदन की प्रक्रिया समझाई। कपिलराज ने ग्रामीणों को घरौनी (स्वामित्व अभिलेख) बनवाने की प्रक्रिया विस्तार से समझाई कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत गांवों की आबादी का ड्रोन सर्वे कराकर मकानों और भूखंडों की सीमाएं चिह्नित की जाती हैं। इसके बाद राजस्व विभाग द्वारा मौके पर सत्यापन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति के मकान, भूखंड की सीमा, नाम या स्वामित्व संबंधी विवरण में गलती है तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत आपत्ति दर्ज कराकर सुधार कराया जा सकता है। जांच एवं विवादों के निस्तारण के बाद पात्र परिवारों को घरौनी अथवा प्रॉपर्टी कार्ड जारी किया जाता है। कार्यक्रम में वीरेंद्र सिंह, छोटेलाल, रामकुमार, रमेश, तेजसिंह, महेश शर्मा, छत्रपाल सैनी, पंकज, विनेश शर्मा,रामचरन, केहर सिंह, तुलसी, दिलबर सैनी, सोमपाल सैनी, हरिराज, अशोक कुमार आदि रहे।

विधायक ने किया मतदाताओं को जागरूक पात्र लोग अवश्य बनवाएं वोट

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बिलारी । मतदाता सूची में नए वोट बनवाने और लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने क्षेत्र के सत्ताईस गांवों में जागरूकता अभियान चलाया और कहा जिन युवाओं की आयु 18 वर्ष पूरी हो चुकी है, वे अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराएं।

अमरपुरकाशी, पीपली, पालनपुर, अहमदाबाद कसौरा, जरगांव, कमालपुर चन्दोरा, खासेपुर, बरौली रुस्तमपुर, उमरा गोपालपुर, सैफपुर जगना, देवरी, दिनोरा, खानपुर, हाजीपुर, खाता, हमजापुर, फतेहपुर नत्था, शाहपुर, मनकुला, चौधरपुर, नरूखेड़ा, करसरा, नरसरा, बनियाठेर, रुस्तमपुर खास, मल्हपुर सिधारी और अहरौला गांव पहुंचकर लोगों को मतदाता बनने के लिए जागरूक किया। कहा लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। जिन लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना नाम जुड़वाएं। इस दौरान हाजी मोहम्मद उस्मान एडवोकेट, गफ्फार हुसैन, शिशुपाल यादव, अनवार अंसारी, विनोद यादव, ग्रीस यादव, रजनेश, गौरव, हरवीर सिंह, पुष्पेंद्र, पृथ्वीपाल, दिनेश कुमार, विजयपाल सिंह यादव, निसार, फाजिल मलिक, नेम सिंह यादव, सुनील यादव, अनुज यादव, विक्की यादव, फिरोज आलम, डॉ. कुंवर सिंह, मनवीर सिंह यादव, हर्ष सिंह, नरेंद्र कुमार, सत्यवीर सिंह, संजय कुमार, नासिर, मोहम्मद शरीफ, इकबाल, संजीव कुमार ठाकुर, रामसेवक, कुंवरपाल, अमरपाल सिंह, राजकुमार, तेजप्रकाश मीणा, सुमित कुमार, राजपाल सिंह, नाजिर हुसैन आदि रहे।

हाई टेंशन करंट लगने से संविदा लाइनमैन झुलसा

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बिलारी । विद्युत उपखंड बिलारी से जुड़े जरगांव विद्युत उपकेंद्र पर संविदा लाइनमैन के रूप में कार्यरत 35 वर्षीय जितेंद्र श्याम सिंहपुर उर्फ भूड़ी गांव के किसान किशनपाल के नलकूप की विद्युत लाइन की शिकायत ठीक करने गया था। बताया इससे पहले उसने जरगांव विधुत उपकेंद्र से शटडाउन लिया था। इसके बाद वह खंभे पर चढ़कर सुधार कार्य करने लगा तभी हाईटेंशन लाइन में करंट दौड़ गया इससे वह बुरी तरह झुलसकर खंभे से नीचे गिरकर घायल हो गया। सूचना मिलते ही परिजन पहुंचे और जितेंद्र को सरकारी अस्पताल ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों का कहना है जितेंद्र ने शटडाउन लिया था तो लाइन में करंट कैसे आ गया जो विभाग की व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। इस बारे में पूछने पर एसडीओ आलोक कुमार ने बताया सूचना मिलने पर वह लाइनमैन को देखने सरकारी अस्पताल पहुंचे थे घटना की जांच कराई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मतदाता सूची से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तर पर डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर स्थापित

मुरादाबाद। अर्हता तिथि एक जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अंतर्गत आलेख्य प्रकाशन दिनांक 17 नवंबर से निर्वाचक नामावलियों के अंतिम प्रकाशन चार जनवरी तक की अवधि के लिए जनपद स्तर पर डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर (डीसीसी) स्थापित किया गया है। जिला निर्वाचन कार्यालय स्थित नवीन तहसील भवन के बराबर, हिमगिरी रोड, मुरादाबाद में स्थापित डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर के दूरभाष नंबर 0591-1950 एवं 0591-2970080 हैं। यह सेंटर प्रत्येक कार्यदिवस में प्रातः 9:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक क्रियाशील है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी ने बताया मतदाता सूची एवं मतदाता पहचान पत्र आदि से संबंधित किसी भी समस्या, जानकारी अथवा शिकायत के लिए नागरिक इन दूरभाष नंबरों पर निर्धारित समय में संपर्क कर सकते हैं। डीसीसी पर तैनात प्रशिक्षित ऑपरेटरों द्वारा नागरिकों की शिकायतों को दर्ज किया जाएगा तथा शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। वर्तमान में जनपद मुरादाबाद में चल रहे विधानसभा निर्वाचन नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के संबंध में नए मतदाता बनने, मतदाता सूची से नाम विलोपित होने, मतदाता का नाम अथवा पते में संशोधन कराने सहित अन्य किसी प्रकार की जानकारी अथवा शिकायत के लिए नागरिक 0591-1950 अथवा 0591-2970080 पर प्रातः 9:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि वे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के दौरान मतदाता सूची से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए जिला स्तर पर स्थापित डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर की सुविधा का लाभ उठाएं।

एपीओ-2025 का रिजल्ट रद्द, आरक्षित वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को जनरल में नहीं मिला था मौका

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एपीओ 2025 परीक्षा का रिजल्ट रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट ने आरक्षित वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को जनरल कैटेगरी में शामिल न करने पर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एपीओ 2025 परीक्षा का रिजल्ट रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट ने आरक्षित वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को जनरल कैटेगरी में शामिल न करने पर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है।



26 नवंबर से 5 दिसंबर तक युवा केंद्र, साईं मंदिर रोड, दीनदयाल नगर में होगा भव्य आयोजन

@ क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद। जनपद के पारंपरिक हुनर, हस्तशिल्प, खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों को नई पहचान दिलाने तथा ग्रामीण कारीगरों और उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'मुरादाबाद खादी महोत्सव-2026' का शुभारंभ 26 नवंबर 2026 से होगा। दस दिवसीय यह भव्य महोत्सव पांच दिसंबर तक युवा केंद्र, साईं मंदिर रोड, दीनदयाल नगर, मुरादाबाद में चलेगा। महोत्सव में परंपरा, आधुनिकता, स्वदेशी उत्पाद और आत्मनिर्भरता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया इस महोत्सव में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के साथ उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश एवं जम्मू-कश्मीर से आए कुशल कारीगर, बुनकर एवं ग्रामोद्योग उद्यमी अपने उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय करेंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्र के छोटे कारीगरों एवं उद्यमियों को सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ने और अपने उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने का अवसर मिलेगा।

एक ही छत के नीचे मिलेंगे देश-प्रदेश के उत्कृष्ट स्वदेशी उत्पाद

महोत्सव में आगंतुकों को एक जनपद-एक उत्पाद (ओडीओपी), खादी, हस्तशिल्प एवं माटी कला से जुड़े विविध उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। इनमें बनारस की प्रसिद्ध सिल्क साड़ियां, लखनऊ की चिकनकारी, भदोही के कालीन, उत्तराखंड के ऊनी एवं गर्म वस्त्र, कश्मीरी पश्मीना तथा सूती एवं रेशमी खादी के कुर्ते-पायजामे, सदरी और लोई प्रमुख आकर्षण होंगे।माटी कला के अंतर्गत आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, गोरखपुर का टेराकोटा सहित कुल्हड़, सुराही, मटके, तवा, हांडी, चाय के कप-प्लेट, गमले, गुल्लक, डिजाइनर दीये, झूमर एवं आकर्षक शो-पीस उपलब्ध रहेंगे।

इसके अलावा मुरादाबाद के प्रसिद्ध पीतल उत्पाद, सहारनपुर का नक्काशीदार लकड़ी का फर्नीचर, खुर्जा की पॉटरी, फिरोजाबाद के कांच के उत्पाद, कानपुर एवं आगरा के चमड़े के उत्पाद तथा राजस्थान की जूतियां भी आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होंगे। खाद्य एवं सुगंधित उत्पादों में कन्नौज का प्राकृतिक इत्र, हाथरस की हींग, अचार एवं मुरब्बा, बीकानेरी नमकीन एवं पापड़, उत्तराखंड की पहाड़ी दालें, मंडुआ, शुद्ध शहद तथा आयुर्वेदिक एवं हर्बल सौंदर्य उत्पाद भी उपलब्ध रहेंगे। खादी उत्पादों पर 20 से 40 प्रतिशत तक विशेष छूट

महोत्सव में आमजन को स्वदेशी एवं खादी उत्पादों की खरीद के लिए प्रोत्साहित करने हेतु खादी के वस्त्रों एवं उत्पादों पर 20 से 40 प्रतिशत तक की विशेष छूट प्रदान की जाएगी। वहीं माटी कला, ग्रामोद्योग एवं अन्य हस्तशिल्प उत्पादों की खरीद पर 20 से 30 प्रतिशत तक की छूट का लाभ भी प्राप्त किया जा सकेगा। प्रतिदिन होगी रंगारंग सांस्कृतिक संध्या

महोत्सव में खरीदारी के साथ-साथ प्रतिदिन संध्याकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा लोकगीत एवं लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिससे आगंतुकों को भारतीय लोक संस्कृति एवं परंपराओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

वोकल फॉर लोकल' को मिलेगा बढ़ावा

आयोजन समिति एवं प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे अपने परिवार एवं मित्रों के साथ महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें तथा स्थानीय कारीगरों, कुम्हारों, बुनकरों एवं ग्रामीण उद्यमियों द्वारा तैयार गुणवत्तापूर्ण और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों की खरीदारी करें। स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित कर 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को साकार करने के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी करें।

राम मंदिर बना आस्था का बड़ा केंद्र, उमड़े एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु, कारोबार ने भी तोड़े रिकॉर्ड



अयोध्या में कार्तिक माह के दौरान 15 दिनों में एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। दीपोत्सव, चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा तथा कार्तिक पूर्णिमा स्नान में भारी भीड़ उमड़ी। राम मंदिर के साथ अन्य धार्मिक स्थलों पर भी दर्शन हुए। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से होटल, दुकानदारों और स्थानीय कारोबार को बड़ा लाभ मिला।कार्तिक माह की पावन अवधि में रामनगरी अयोध्या ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों का रिकॉर्ड तोड़ आंकड़ा देखा है। बीते 15 दिनों में एक करोड़ से अधिक भक्तों ने यहां पहुंचकर रामलला के दर्शन किए और पुण्य कमाया। दीपोत्सव, चौदह कोसी-पंचकोसी परिक्रमा और कार्तिक पूर्णिमा स्नान के दौरान शहर पूरी तरह श्रद्धा से सराबोर रहा। व्यापारियों का कहना है कि इतनी भीड़ और कारोबार पहले कभी नहीं देखा। राम मंदिर दर्शन के साथ अन्य धार्मिक स्थलों पर भी भक्तों की भारी भीड़ रही। सूर्यकुंड, गुप्तारघाट और भरतकुंड में दर्शन-पूजन करने वालों की संख्या उल्लेखनीय रही। पूरा शहर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।

व्यापारियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी व्यवस्था और विकास जारी रहे तो अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ेगी।जानिए, दीपोत्सव से लेकर स्नान तक कितने श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे-सरकारी आंकड़ों के अनुसार दीपोत्सव में तकरीबन दस लाख श्रद्धालु पहुंचे। चौदह कोसी परिक्रमा में करीब 30 लाख और पंचकोसी परिक्रमा में लगभग 50 लाख भक्तों ने परिक्रमा पूरी की। कार्तिक पूर्णिमा के स्नान में भी करीब 35 लाख श्रद्धालु अयोध्या आए। इन भक्तों ने स्वयं को सिर्फ राम मंदिर और हनुमानगढ़ी तक सीमित नहीं रखा, बल्कि सूर्यकुंड, गुप्तारघाट और भरतकुंड पहुंचकर भी दर्शन-पूजन किया। पूरा शहर श्रद्धालुओं और पर्यटकों से भरा रहा।प्राण प्रतिष्ठा के बाद शहर में पर्यटन और आस्था का बढ़ा मेल-योगी आदित्यनाथ सरकार के नेतृत्व में अयोध्या के कायाकल्प ने इस भीड़ को संभालने में बड़ी भूमिका निभाई। नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, विस्तारित रेलवे स्टेशन, चौड़ी सड़कों, आधुनिक पार्किंग व्यवस्था, रोशनी और साफ-सफाई व्यवस्था ने भक्तों को सुविधा दी। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद शहर में पर्यटन और आस्था का मेल बढ़ा है। सरकार ने मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ सुरक्षा, स्वास्थ्य और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया, जिससे इतनी बड़ी संख्या में आए श्रद्धालु सहजता से दर्शन कर सके।

जितना साल भर में होता था, उतना 15 दिन में हो गया

कारोबारहनुमानगढ़ी के पास फूल-माला और प्रसाद की दुकान चलाने वाले रामप्रकाश शर्मा ने बताया कि दीपोत्सव से लेकर पूर्णिमा तक दुकान में सुबह से रात तक भीड़ रही। पहले साल भर में जितना कारोबार होता था, उतना इन 15 दिनों में हो गया। योगी सरकार ने शहर को साफ-सुथरा और सुविधाजनक बनाया है, इसलिए लोग आराम से आ रहे हैं और ज्यादा खरीद भी कर रहे हैं।सरकार की योजनाओं का हम सबको फायदा मिल रहा है

रामकोट क्षेत्र में पूजा सामग्री और स्मृति चिह्न बेचने वाले व्यापारी अजय कुमार ने कहा कि पर्यटक और श्रद्धालु दोनों आए। मंदिर के अलावा सूर्यकुंड और गुप्तारघाट भी भरे रहे। व्यापार पहले से दोगुना-तिगुना हो गया। सड़कें चौड़ी हो गईं, लाइटिंग अच्छी है, पार्किंग की व्यवस्था है। सरकार की विकास योजनाओं का फायदा हम सबको मिल रहा है।

विकास कार्यों के कारण स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिली ऊर्जा

शहर के होटल, रेस्तरां, ऑटो-रिक्शा और स्थानीय दुकानदारों ने भी अच्छी कमाई की। प्रशासन ने मेले और परिक्रमा के दौरान विभिन्न विभागों के समन्वय से व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं। योगी सरकार की दृष्टि में अयोध्या को विश्व स्तरीय तीर्थस्थल बनाने का प्रयास साफ दिख रहा है। विकास कार्यों के कारण न सिर्फ श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिली है।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी

कार्तिक पूर्णिमा पर गक्खरपुर रामगंगा घाट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, आस्था की डुबकी लगाकर मांगी सुख-समृद्धि

@ क्यूँ न लिखूँ सच

♦ साधु-संतों ने किया शाही स्नान, घाट पर लगा मेला; पुलिस, स्वास्थ्य और अग्निशमन विभाग की टीमें रहीं मुस्तैद



जिला मुरादाबाद थाना डिलारी क्षेत्र के गांव गक्खरपुर स्थित रामगंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार सुबह से ही गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने परिवार के साथ गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्तिक पूर्णिमा पर सबसे पहले साधु-संतों ने विधि-विधान के साथ शाही स्नान किया। इसके बाद आम श्रद्धालुओं के लिए गंगा स्नान शुरू हुआ। सुबह से ही घाट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। स्नान के बाद लोगों ने दान-पुण्य किया और हर-हर गंगे के जयकारों से घाट का माहौल भक्तिमय हो गया। गंगा स्नान के साथ ही गक्खरपुर घाट पर मेले का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों और महिलाओं ने जमकर खरीदारी की। बच्चों ने चाट-पकौड़ी का आनंद लिया और झूलों का लुत्फ उठाया। मेले में खोया-पाया केंद्र पर भी लोगों की आवाजाही बनी रही।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। घाट पर थाना डिलारी पुलिस के जवान लगातार निगरानी करते रहे। इसके अलावा अग्निशमन विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी मेले में मौजूद रहीं। स्नान के दौरान कुछ श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ने पर थाना डिलारी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अपने वाहनों से उन्हें स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।वहीं, रामगंगा घाट पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए उच्चाधिकारी भी समय-समय पर भ्रमण करते रहे। पुलिसकर्मियों की सक्रियता के चलते श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया गया। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पूरा गक्खरपुर घाट श्रद्धा, भक्ति और मेले की रौनक से गुलजार नजर आया।

चौधरी त्राषिपाल जी को जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर उनके आवाज पे पहुंच कर फूल मालाओ से स्वागत किया स्वागत किया

@ क्यूँ न लिखूँ सच



मुरादाबाद। (सिकंदर राजा)भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) का मुरादाबाद जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर श्री चौधरी ऋषिपाल जी को उनके आवास पर पहुँचकर संगठन के पदाधिकारियों द्वारा फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया और हार्दिक बधाई दी गई। मंडल उपाध्यक्ष डॉ. फिरोज चौहान, जिला उपाध्यक्ष उमैर चौधरी एवं मीडिया प्रभारी रज़ा अब्बास ने संयुक्त रूप से नवनियुक्त जिला अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चौधरी ऋषिपाल जी के नेतृत्व में जिले में संगठन को एक नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि उनके कुशल मार्गदर्शन में जनपद के अन्नदाता किसान भाइयों की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा और किसानों के हक व सम्मान की आवाज़ शासन-प्रशासन तक और अधिक बुलंदी के साथ पहुँचेगी। संगठन अब गांव-गांव जाकर किसानों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेगा तथा फसलों के उचित मूल्य, सिंचाई और अन्य बुनियादी मुद्दों पर मजबूती से संघर्ष करेगा। अंत में सभी पदाधिकारियों ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष के उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना की।

एआरटी सेंटर में एचआईवी पीड़ितों और उनके परिजनों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित

@ क्यूँ न लिखूँ सच

■ एचआईवी पीड़ितों के अधिकारों और नि:शुल्क कानूनी सहायता की दी जानकारी, बाल विवाह के दुष्परिणामों से भी कराया अवगत



शिवपुरी । जिला चिकित्सालय शिवपुरी स्थित एआरटी सेंटर में एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों (पीएलएचआईवी) एवं उनके परिवारों के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद सोनी तथा जिला न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के सचिव श्री कौशलेन्द्र सिंह भदौरिया के निर्देशन में किया गया।शिविर में सिविल सर्जन डॉ. आर.पी. सिंह चौहान एवं डीटीसी शिवपुरी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. आशीष व्यास ने एचआईवी संक्रमण के कारणों, बचाव के उपायों और इससे जुड़ी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां दीं। उन्होंने उपस्थित लोगों को जागरूक करते हुए
संक्रमण से बचाव के प्रति सावधानी बरतने की जानकारी दी।वहीं, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल सुश्री नुपुर राठौर ने एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों एवं उन्हें उपलब्ध नि:शुल्क विधिक सहायता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने नालसा की हेल्पलाइन 15100 की जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति के अधिकारों का हनन होने पर वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी से नि:शुल्क कानूनी सहायता एवं सलाह प्राप्त कर सकता है।शिविर में नालसा के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बाल विवाह के दुष्परिणामों पर भी जागरूक किया गया। बताया गया कि बाल विवाह से बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कानून के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु की बालिका और 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है तथा यह कानूनन अपराध है।
शिविर के माध्यम से एचआईवी प्रभावित व्यक्तियों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के साथ उनके अधिकारों, कानूनी सहायता और सामाजिक जागरूकता के प्रति प्रेरित किया गया।

माधव चौक पर दो मिनट का ब्लैकआउट, सायरन बजते ही थम गए वाहन और रुके राहगीर

@ क्यूँ न लिखूँ सच

♦ पुलिस-प्रशासन ने आपातकालीन स्थिति से निपटने का किया अभ्यास, नागरिकों को सुरक्षा एवं सतर्कता का दिया संदेश



शिवपुरी । शहर में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बुधवार को माधव चौक पर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा विशेष मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान दो मिनट का ब्लैकआउट किया गया। सायरन बजते ही पुलिस बल सक्रिय हुआ और कुछ समय के लिए माधव चौक क्षेत्र की लाइटें बंद कर यातायात रोक दिया गया।मॉक ड्रिल के दौरान सायरन की आवाज सुनते ही वाहन चालकों ने अपने वाहन रोक दिए, वहीं राहगीर भी जहां थे, वहीं ठहर गए। पुलिसकर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए क्षेत्र में व्यवस्था नियंत्रित की और लोगों को आपातकालीन परिस्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी।इस अभ्यास का उद्देश्य नागरिकों को यह समझाना था कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय सतर्कता, अनुशासन और प्रशासन के निर्देशों का पालन करना कितना जरूरी है। साथ ही यह भी प्रदर्शित किया गया कि संकट के समय पुलिस एवं प्रशासन किस प्रकार समन्वय के साथ त्वरित कार्रवाई कर सकते हैं।माधव चौक पर आयोजित मॉक ड्रिल के दौरान अपर कलेक्टर श्री दिनेश चंद्र शुक्ला, एसडीएम शिवपुरी श्री आनंद राजावत सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।यास के माध्यम से प्रशासन ने आमजन को आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति जागरूक रहने और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने का संदेश दिया।

स्टार संदर्भों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें अधिकारी: जिलाधिकारी

@ क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद। जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्टार संदर्भों के निस्तारण की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा को लेकर बैठक की गई। जिसमें जनता दर्शन के दौरान प्राप्त गंभीर प्रकृति के प्रकरणों को जिलाधिकारी द्वारा स्टार संदर्भ के रूप में चिन्हित किए जाने तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को उनके प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के लिए दिए गए निर्देशों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की गई।
बैठक में बीते माह के तेरह तथा वर्तमान माह के नौ स्टार संदर्भों सहित कुल तेईस संदर्भों के निस्तारण की स्थिति, कार्रवाई की गुणवत्ता एवं शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि के संबंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने प्रत्येक प्रकरण में की गई कार्रवाई की बारीकी से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया शिकायतों के निस्तारण में केवल औपचारिकता न बरती जाए, बल्कि प्रकरण की वास्तविक स्थिति का परीक्षण करते हुए शिकायतकर्ता को प्रभावी एवं संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए।
जिलाधिकारी ने निस्तारित किए गए स्टार संदर्भों की गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति जानने के लिए संबंधित शिकायतकर्ताओं एवं पीड़ित व्यक्तियों से फोन के माध्यम से स्वयं बातचीत भी की तथा निस्तारण के संबंध में उनका फीडबैक लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता, समयबद्धता तथा शिकायतकर्ता की संतुष्टि तीनों पहलुओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का प्रभावी समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। अत: सभी अधिकारी माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा औपचारिक निस्तारण स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रत्येक प्रकरण में की गई कार्रवाई स्पष्ट, तथ्यपरक और शिकायतकर्ता के लिए संतोषजनक होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित स्टार संदर्भों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करते हुए संबंधित शिकायतकर्ता को की गई कार्रवाई से अवगत कराया जाए तथा निस्तारण की गुणवत्ता की नियमित रूप से समीक्षा भी सुनिश्चित की जाए।
बैठक में एसडीएम सदर, एसडीएम कांठ, तहसीलदार बिलारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी रहे।

यूपी पुलिस में बड़ा फेरबदल: 183 इंस्पेक्टरों के तबादले, लखनऊ कमिश्नरेट से 56 बाहर भेजे गए



विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच उत्तर प्रदेश पुलिस में बड़ा फेरबदल हुआ है। पुलिस मुख्यालय ने 183 इंस्पेक्टरों के तबादले किए हैं। लखनऊ कमिश्नरेट से 56 निरीक्षकों को बाहर भेजा गया, जबकि कानपुर से 14 निरीक्षक लखनऊ आए हैं। तीन अन्य को लखनऊ जोन में तैनाती मिली है।विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों के मद्देनजर पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल किया गया है। पुलिस मुख्यालय ने 183 इंस्पेक्टरों के तबादले किए हैं। इनमें लखनऊ कमिश्नरेट से 56 इंस्पेक्टरों को बाहर भेजा गया है, जबकि कानपुर कमिश्नरेट से 14 इंस्पेक्टर लखनऊ कमिश्नरेट आए हैं। इसके अलावा कानपुर से तीन इंस्पेक्टरों को लखनऊ जोन में तैनाती दी गई है।
उन इंस्पेक्टरों के तबादले किए गए हैं जिन्होंने एक जिले में तीन साल की अवधि पूरी कर ली है या 31 मई 2027 तक पिछले चार वर्षों में तीन साल की अवधि पूरी करने वाले हैं। पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) आरडी चौरसिया की ओर से जारी आदेश के मुताबिक जोन, जनपद और कमिश्नरेट स्तर पर समायोजन नहीं हो पाने के कारण पुलिस आयुक्तों के अनुरोध पर यह स्थानांतरण किए गए हैं।लखनऊ कमिश्नरेट से बाहर किए गए 56 इंस्पेक्टरों में ज्यादातर को वाराणसी, कानपुर, प्रयागराज, गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद कमिश्नरेट भेजा गया है। तीन इंस्पेक्टर नागेश उपाध्याय, भानु प्रताप सिंह और सुनील कुमार आजाद को लखनऊ जोन में भेजा गया है। वहीं विक्रम सिंह को विजिलेंस, अरविंद कुमार को सीआईडी और अनवार अहमद को आर्थिक अपराध शाखा में तैनाती मिली है।
दूसरी ओर कानपुर कमिश्नरेट से लखनऊ आने वाले 14 इंस्पेक्टरों में रवींद्र श्रीवास्तव, शैलेंद्र प्रताप सिंह, दीनानाथ मिश्रा, अभिमान सिंह, अशोक कुमार दुबे, आनंद कुमार पांडेय, सभाजीत मिश्र, संतोष कुमार शुक्ला, अखिलेश कुमार, सुधीर कुमार, सुभाष सिंह यादव, भूपेंद्र सिंह यादव, अशोक कुमार सरोज और ललित कुमार शामिल हैं। इकबाल हैदर, ब्रजेश कुमार और कमर सुल्ताना को लखनऊ जोन में भेजा गया है।

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने किया ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का बाह्य निरीक्षण

जनपद बदायूँ में निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखने के दृष्टिगत ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी हुई है।





बुधवार को जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बाह्य निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा सीसीटीवी कैमरों की स्थिति एवं उनके संचालन का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि वेयरहाउस में रखी सभी ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें पूर्णत: सुरक्षित हैं। वेयरहाउस की सुरक्षा के लिए 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी लगातार निगरानी की जा रही है। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के उपरांत उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर भी किए। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने वेयरहाउस में की गई सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

भाजपा संगठन के सहयोग सेल के माध्यम से सुनवाई

विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी) जिला भारतीय जनता पार्टी



कार्यालय में विदिशा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री मुकेश टंडन ने पार्टी के %सहयोग सेल% के माध्यम से नागरिकों और कार्यकर्ताओं की समस्याएं के संबंध में संबंधित विभाग को निर्देश दिए। कार्यक्रम में विदिशा एवं स्थानीय क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं, नागरिकों एवं समाज के प्रतिनिधियों, ने अपनी समस्याओं को रखा। जिसमें सड़क,भूमि राजस्व,बिजली अनियमितता,पानी सप्लाई, स्वास्थ्य सुविधा में सेवा बढ़ाने एवं अन्य आवेदनों को विधायक श्री मुकेश टंडन ने आवेदकों की समस्या के निववरण हेतु निर्देश दिए। इस दौरान जिला भाजपा संगठन की ओर से सहयोग सेल में श्री मुकेश चौकसे उपस्थित रहे।कार्यक्रम में श्री संतोष शर्मा,श्री सुरेंद्र चौहान,श्री प्रशांत खत्री ,श्री नीरज पाल , श्री संतोष पेंटर वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। भाजपा का सहयोग सेल जनता और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करता है। संगठन के माध्यम से हर अंतिम व्यक्ति की समस्याओं का समाधान करना पार्टी की प्राथमिक संकल्पबद्धता है।

बाइक की टक्कर से दो साल के मासूम की मौत, तीन घायल, सड़क पार करते समय हुआ हादसा

थाना चिल्ला क्षेत्र के पपरेंदा बस स्टैंड के पास बाइक की टक्कर से दो साल के मासूम की मौत हो गई। हादसे में उसकी दादी व बाइक सवार दो युवक भी घायल हो गए। हादसे से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव महोखर निवासी सुनील कुमार (35) और कलुआ (40) बाइक से महोखर से चिल्ला की ओर जा रहे थे।शाम को पपरेंदा बस स्टैंड के पास पहुंचने पर बाइक अनियंत्रित होकर सामने जा रही जनकदुलारी (61) और उनके दो वर्षीय पौत्र दिव्यांश से जा टकराई। जनकदुलारी अपने पौत्र के साथ दुकान पर जा रही थी। टक्कर से दोनों दूर छिटककर गिर गए। बाइक सवार भी गिरकर घायल हो गए। चारों को निजी वाहन से अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने परीक्षण के बाद दिव्यांश को मृत घोषित कर दिया। दिव्यांश दो भाइयों में छोटा था। पिता राहुल सिंह छतरपुर में ट्रक चालक हैं। हादसे के बाद मां शिवानी का रो-रोकर बुरा हाल है। एसओ राजेश कुमार मौर्या ने बताया कि शव को मोर्चरी भेजा गया है।

When Constitution Day came into effect on January 26th, why is Constitution Day celebrated on November 26th? This special initiative began in 2015.

The date of November 26th is etched in the pages of history because it was on this date in 1949 that the Constituent Assembly adopted the Indian Constitution. Dr. B.R. Ambedkar is considered the chief architect of the Constitution. Constitution Day has been officially celebrated since 2015. Have you ever wondered why November 26th is so important for India? In fact, this is the day when Constitution Day is celebrated in the country. It is also known as 'National Law Day.' The Constitution is not just an old document written in a book; it is the true strength of our democracy, our freedoms, our rights, and our entire system. Let's get straight to the question that often confuses people. Why is Constitution Day celebrated on November 26th? This date has a direct connection to the year 1949. On November 26, 1949, the Constituent Assembly of India formally adopted the Constitution of India. Constitution Day is celebrated every year on November 26 to commemorate this historic moment. Now, the question arises: if the Constitution was adopted in November, what happened on January 26? In fact, the date for the Constitution's full implementation was set for January 26, 1950. That day, India became a sovereign democratic republic, and hence, we celebrate Republic Day on January 26. In 2015, the Government of India decided that November 26 would officially be celebrated as Constitution Day. This served two major purposes: first, to honor the contributions of Dr. Bhimrao Ambedkar, the architect of the Constitution, and second, to make the people of the country more aware of the Constitution. This is how our Constitution was made: drafting one of the world's most comprehensive written constitutions was no small task. To this end, a Constituent Assembly was formally formed, its first meeting held on December 9, 1946. Later, on August 29, 1947, the Drafting Committee of the Constitution was formed. Dr. Bhimrao Ambedkar was entrusted with its leadership. All the members of the Constituent Assembly thoroughly discussed each aspect in a total of 11 sessions. After nearly 2 years, 11 months, and 18 days of continuous work, the country finally received its Constitution on November 26, 1949. Equal opportunity for every citizen - Dr. B.R. Ambedkar is not called the chief architect of the Indian Constitution for nothing. As chairman of the Drafting Committee, he prioritized social justice, equality, and fundamental rights in the Constitution. His vision was clear: every person in the country should have equal opportunity to progress. There should be no discrimination against anyone on the basis of caste, religion, gender, or social status. These ideas have played a significant role in strengthening the strong foundation on which Indian democracy stands today. This day also reminds us of our responsibilities along with our rights. The Constitution grants us significant rights such as equality, liberty, justice, and fraternity, but it not only talks about demanding rights; it also clearly states our fundamental duties. This is why November 26th is not just a date on the calendar. On this day, the Preamble of the Constitution is read in schools, colleges, and government institutions. Speeches, essay competitions, and various awareness programs are also organized to engage youth and students. The true strength of the nation's unity, integrity, and democracy lies within our Constitution. This day, November 26th, gives us an opportunity to salute the contributions of the framers of the Constitution and pledge to become responsible citizens by fulfilling our duties along with our rights.

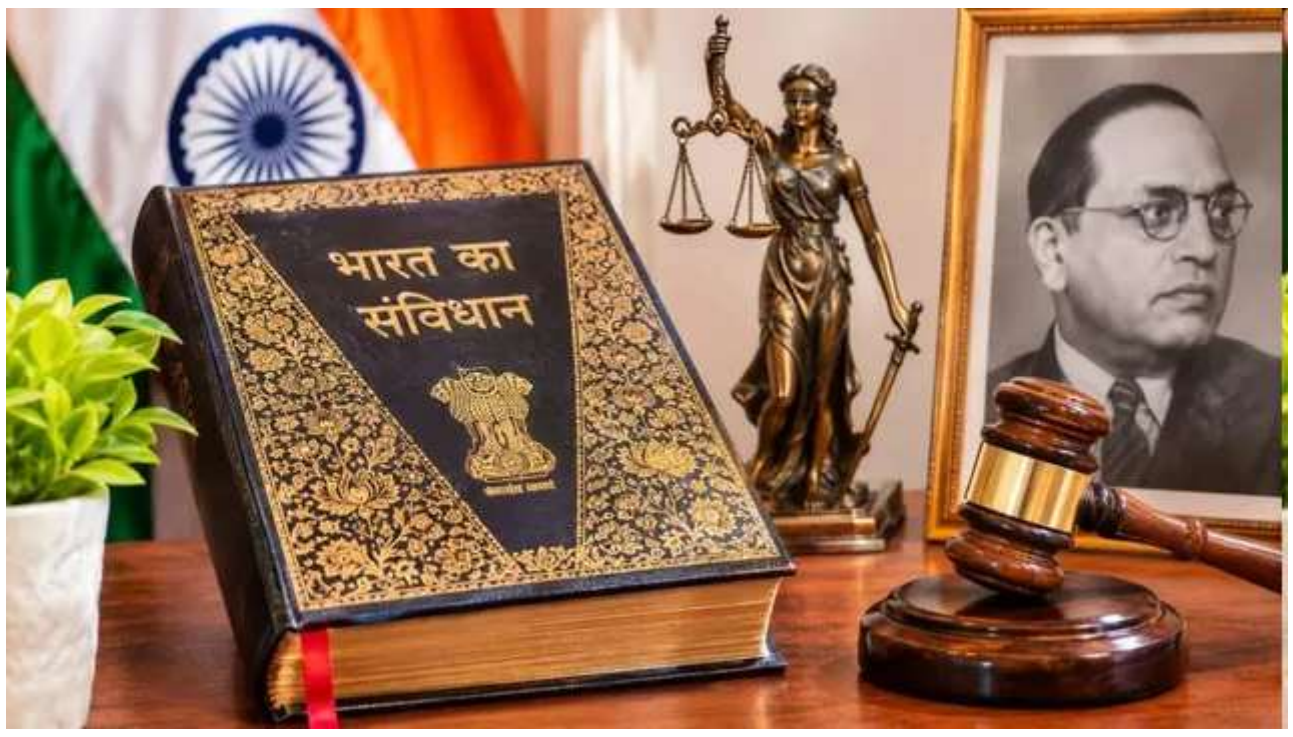

How to shine dirty and tarnished steel bathroom faucets? Bring back a new-like shine without much scrubbing.

If you're finding it difficult to polish your stained steel bathroom faucets with salt water, the methods described in this article can be very helpful. No matter how thoroughly you clean your bathroom, if there's a white or black deposit on the faucets and steel faucets, the entire bathroom can look old and dirty. Often, salt water, soap scum, and moisture can gradually dull the shine of the steel, leaving stubborn stains. Most people resort to expensive chemical cleaners or wire scrubbers to remove these stains. This is not only labor-intensive but also permanently damages the faucet's shine. Fortunately, there are some ingredients right in your kitchen that can restore your faucet's silvery shine without much scrubbing. White vinegar will remove stubborn stains - White vinegar is the most effective way to remove the white film left by salt water. For this, mix equal parts white vinegar and water in a bowl. Soak a cotton cloth or tissue paper in this solution and wrap it around the faucet. After about 15 to 20 minutes, remove the cloth and rinse with clean water. You will notice that all the dirt has been easily removed without any rubbing. The magic of baking soda and lemon: If the faucet has become particularly dark, use baking soda and lemon. Cut a lemon in half and sprinkle a little baking soda on it. Gently rub the lemon on the faucet and leave it for 10 minutes. After this, rinse with lukewarm water and wipe with a dry cloth. This will instantly restore the faucet's shine to its new state and keep the bathroom fresh. Restore lost shine with toothpaste: It may sound a bit strange, but white toothpaste works wonders for cleaning steel faucets. Apply a small amount of toothpaste to an old, soft toothbrush and spread it evenly around every corner of the faucet. Let it dry for 5 to 10 minutes, then gently brush and rinse with water. Remember to use plain white toothpaste, not gel-based toothpaste. Remove old stains with lemon and salt: Sometimes, brown or black rust-like stains accumulate on the edges and joints of faucets. To clean them, apply a little salt to a lemon and gently rub it on the stained area. After 10 minutes, rinse with clean water. The natural acid in lemon and the mild roughness of salt can remove even the oldest stains without leaving any scratches. Avoid these mistakes when cleaning faucets: Never use toilet cleaner, strong acids, or bleach when cleaning faucets. These harsh chemicals can burn away the chrome layer on the steel, permanently tarnishing the faucet. Similarly, always use a soft sponge or microfiber cloth instead of an iron rag. If you want your bathroom faucets to remain as shiny as new for a long time, develop this simple habit. Wipe down the faucet with a dry cloth two or three times a week after bathing or washing your hands. This will prevent water droplets from drying on the steel and eliminate the problem of stains.



"Meri Maa Ka Jiya Bhijai..." is a unique Haryanvi folk song from the Bhaat ceremony, where a sister pleads with the clouds for her brother and nephew.

The sister's concern for her brother is so profound that in this Haryanvi folk song, she directly pleads with Lord Indra to stop the clouds. When this song resonates behind the veil, accompanied by the beats of the dholak, at weddings in Haryana and North India, everyone present is filled with smiles and a sweet twinkle in their eyes. When the wedding house is decorated and the occasion is the Bhaat ceremony, the magic of these unique folk songs, passed down through generations by women, is even greater than the noise of the band. Today, we're talking about one such heartwarming traditional Haryanvi folk song, the lyrics of which go: "Don't rain, Indraraj, let my mother's wife get drenched..." These seemingly simple lines actually express the concern and affection of a sister who doesn't want even a drop of rain to fall on her brother and nephew. Let's delve deeper into the deeper meaning behind it. "Don't rain, Indraraj, let my mother's wife get drenched..." This song is a highly popular and well-known part of the traditional Bhaat songs of North India, especially Haryana. During weddings and family celebrations, when the ritual of offering Mayra or Bhaat is performed, women sing this folk song with great emotion to demonstrate the affection between a brother and sister. The lines of this folk song go like this: "Don't rain, Indraraj, let my mother's wife get drenched. Don't rain, Indraraj, let my mother's wife get drenched. Don't rain, Indraraj, let my mother's wife get drenched. Don't rain, Indraraj, let my mother's wife get drenched. My mother's son, my nephew, get wet! In these lines, a sister innocently pleads with Indra, the rain god, to refrain from rain. Her plea is deeply rooted in tender emotion, as her brother and nephew are bringing rice, and if it rains, they will both get drenched. The beauty of this song, the rural setting and the sister's concern for her brother and nephew, isn't limited to just her brother; it also effortlessly captures the warmth of her maternal home and the joint family. The sister's concern for her brother and his nephew is equally profound. This sense of belonging is further expressed in the following lines: "My brother on the platform gets drenched, my nephew on his side gets drenched. Don't rain, Indra, my mother's son. My brother gets drenched in the rain, my nephew on his side gets drenched. Don't rain, Indra, my mother's son." These lyrics clearly reflect the simplicity of rural life and the value of relationships. The wish to protect the rain from the rain for the brother sitting on the platform or on the way during the ritual, and the nephew walking with him, "Patere Pai," shows how special every member of the family is to a daughter living in her in-laws' home. She doesn't want her loved ones who come to share her joys to suffer even the slightest pain. A plea to "Indraraj" at some places, to "Ambarraj" at others—the greatest characteristic of Indian folk songs is that, despite varying slightly according to region and dialect, they retain their core spirit. The same applies to this Bhaat song. In various songs sung in Haryana and other parts of North India, "Ambarraj" is often heard in place of "Indraraj," the rain god. Whether the appeal is to Indraraj or Ambarraj, the essence of this song remains the same: a wish for the well-being of one's brother and nephew. This scene from folk culture is deeply moving, where a sister doesn't hesitate to plead directly to the sky and clouds for the honor and comfort of her "Bira." The typical lyrics resonate with the song: the typical words like "jaaya," "beera," "patre pai," "gail," and "bhijai" woven into it are so natural that they instantly touch the heart and resonate with the tongue. This folk song isn't just a part of the ritual of offering mayra or bhaat, but it also brings to life the tenderness of the brother-sister relationship that has been a hallmark of our tradition for generations.



Imtiaz Ali's O Saathi Re is a love triangle drama about love, marriage, and betrayal; when and where will it stream?



The OTT release details of filmmaker Imtiaz Ali's upcoming web series, O Saathi Re, have been revealed. The latest trailer for Imtiaz Ali's new web series, O Saathi Re, has been released. It will stream on this OTT platform. After the immense success of the big screen film "Main Wapas Aaunga," director Imtiaz Ali is now ready to make a splash on OTT. As a producer and writer, Imtiaz's love triangle drama web series, O Saathi Re, directed by Arif Ali, has been making waves. The makers released the latest trailer for "O Saathi Re" on Wednesday, and the storyline appears to be quite intriguing. So, let's find out when and where this web series will stream on OTT. Trailer for the web series "O Saathi Re" has been released. The O Saathi Re web series, starring Avinash Tiwari, Aditi Rao Hydari, and Arjun Rampal, was announced a long time ago by the OTT platform Netflix. The makers have released the latest trailer for this romantic drama series. The trailer clearly depicts the story of a couple who first fall in love and then marry to nurture their love. However, a third person comes between them, disrupting their happy married life. They reach the point of divorce, which brings a major twist to the story. The rest of the special features will be revealed only after O Saathi Re's OTT release. Regarding the online streaming of O Saathi Re, this romantic drama thriller will be released on the OTT platform Netflix on December 4, 2026. After watching the trailer, fans' excitement for the series has skyrocketed, and they are eagerly awaiting its release. The story will be contained in 6 episodes - Talking about the total episodes of the O Saathi Re web series, its story will be contained in 6 episodes. Each episode has been written by Imtiaz Ali with interesting twists and turns.

"If I can't hug you..." A fan went to buy a 90s actress's bikini; his actions will blow your mind.

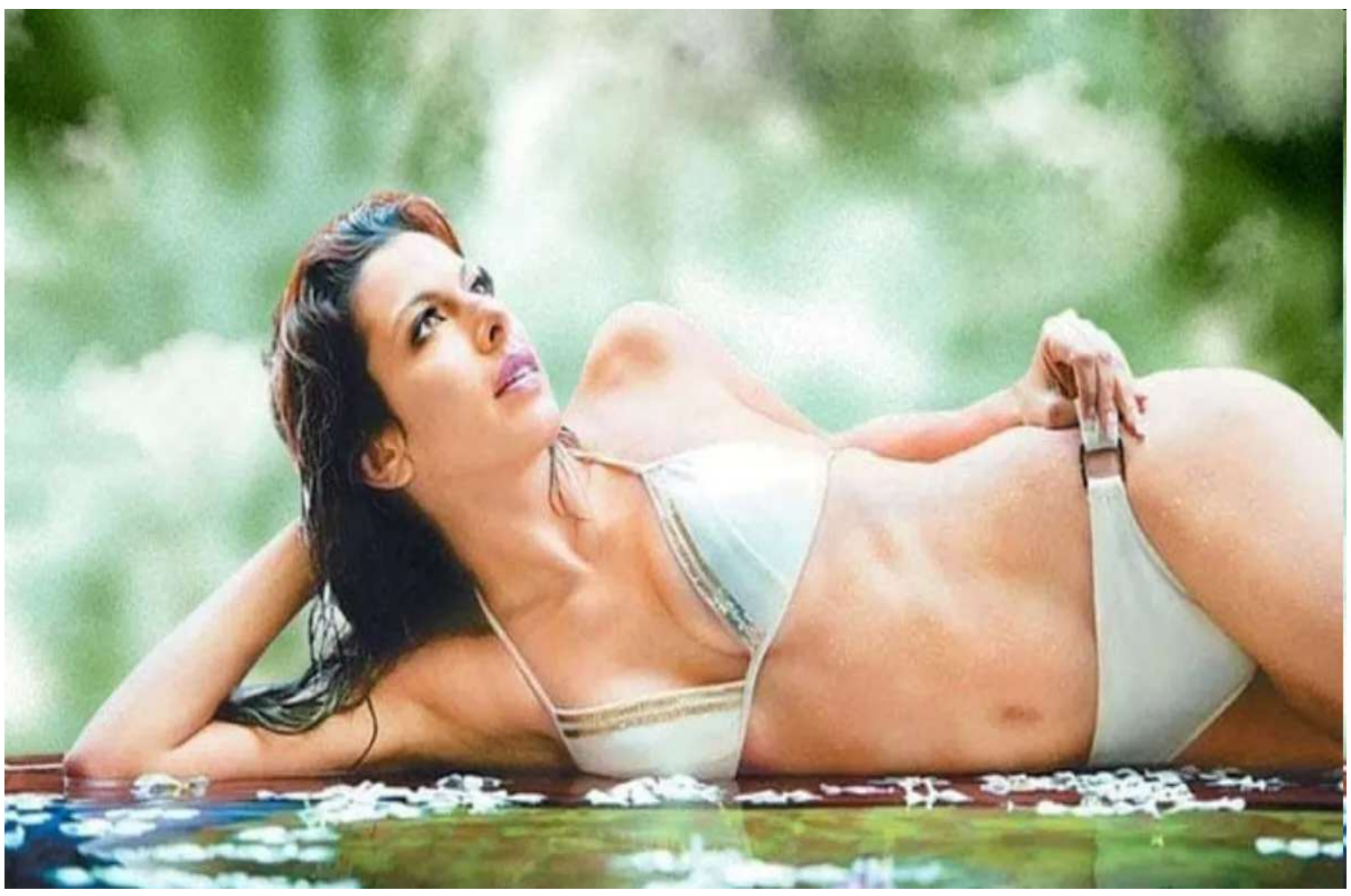

Pooja Bedi recounted on The Kapil Sharma Show how a fan bought her bikini from the film "Lootere" at auction and then brought it to her home. The fan bought Pooja Bedi's bikini at auction. The man brought the bikini home - he used to write letters in blood. You've heard plenty of stories about the obsession of actors and their fans. Today, we're going to tell you one such story about a fan's obsession, where he went to an auction for a bikini she wore. This story was narrated by the actress herself on Kapil Sharma's show. We're talking about actress Pooja Bedi. The bikini she wore in her 1993 film "Lootere" was auctioned. A man bid for it for 1500 rupees and bought it. You've heard plenty of stories about the obsession of actors and their fans. Today, we're going to tell you one such story about a fan's obsession, where he showed up at an auction for a bikini worn by her. The actress herself recounted this incident on Kapil Sharma's show. We're talking about actress Pooja Bedi. The bikini she wore in her 1993 film Lootere was auctioned. A man bid 1,500 rupees for it and bought it. Surprisingly, his obsession didn't end there, and he brought the bikini home with him. Pooja said that when asked why he bought it, he said, "If I can't hug her, at least I can hug her bikini." Who is Pooja Bedi married to? Pooja further explained that one day the doorbell rang, and he came straight into our house, holding my bikini. I made him sit and tried to explain calmly but he was not ready to understand. Pooja told that all this continued till they got married. Pooja Bedi married Farhan Furniturewala on 6 May 1994. Pooja told that the man had named himself after her favourite perfume 'Anais-Anais'. Not only this, he used to call her many times and also used to send letters written in blood. Talking about Pooja's professional life, she was last seen in the film Comedy Couple. She played the role of a mother in it.

"I Will Come Back" was eliminated from the Oscar race due to "Gondhaal," Sharvari broke her silence; said, "If we had gone..."



Actress Sharvari has reacted to "I Will Come Back" being eliminated from the Oscar race. "I Will Come Back" was eliminated from the Oscar race. Sharvari said, "I Will Come Back" was eliminated from the Oscar race. Sharvari reacted to "Gondhaal"'s official entry. "I Will Come Back," released in theaters this year, received a positive response from critics. Imtiaz Ali's film was even among the movies shortlisted for the Oscars. However, the Marathi film "Gondhaal" received an official entry. Now, Sharvari, who played the lead role in "I Will Come Back," has responded to the film's Oscar failure and its loss to "Gondhaal." Sharvari expressed her happiness over "Gondhaal"'s Oscar nomination. He also said that the selection of 'Main Wapsi Aaunga' is not a competition. Speaking to PTI, he said, "Any win is a big win for us. It's not about which film is selected; it's not a race. Gondhal is a great film; I've seen it myself." He further said, "It's a Marathi film and I'm very proud of it. It's a wonderful film. It has a lot to tell the world, and it's great that the film has taken off." What did Sharvari say about 'Main Wapsi Aaunga'? Sharvari said about 'Main Wapsi Aaunga' not being selected for the Oscars, "It would have been great if we had gone for the Oscars, of course, why not? But I am not upset about it." The film was successful - Directed by Imtiaz Ali, 'Main Wapsi Aaunga' is one of the most successful films of this year. The film did not receive much response initially, but due to positive word of mouth, the film made a huge collection. Today, this film is one of the cult classic romantic films. Sharvari's upcoming film - Talking about Sharvari, she is currently busy promoting her upcoming film 'Yeh Prem Mol Liya'. The Ayushmann Khurrana starrer will be released in theatres on November 27. It is directed by Sooraj Barjatya.